जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:345 दिनांक:28-11-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

राजस्थान के अजमेर स्थित प्रसिद्ध ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को हिंदू पूजा स्थल (मंदिर) बताने वाली याचिका को निचली अदालत ने स्वीकार कर लिया है। यह याचिका हिंदू सेना के विष्णु गुप्ता द्वारा दायर की गई थी।

कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, ठमैंने प्रधानमंत्री से कहा है कि अगर मेरी वजह से महाराष्ट्र में सरकार बनाने में कोई समस्या आती है, तो अपने मन में कोई संदेह न लाएं और आप जो भी फैसला लेंगे, वह फैसला मुझे मंजूर है।

अजमेर की दरगाह शरीफ का भी हो सकता है सर्वे, कोर्ट का नोटिस जारी

अजमेर (ईएमएस)। संभल में शाही जामा मस्जिद का विवाद अभी खत्म नहीं हुआ कि राजस्थान के अजमेर में दरगाह शरीफ के सर्वे को लेकर कोर्ट में दायर याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका स्वीकार कर लिया है और दोनों पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिका में अजमेर शरीफ दरगाह को हिंदू मंदिर बताया गया है। यह याचिका हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दायर की गई थी। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 20 दिसंबर तय की है। बता दें कि हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दरगाह से संबंधित मुद्दों को उठाते हुए कानूनी हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने कहा कि यह मामला धार्मिक भावनाओं और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा हुआ है, जिसके समाधान के लिए कोर्ट का हस्तक्षेप जरुरी है। कोर्ट द्वारा वाद को स्वीकार करने के बाद यह मामला और अधिक गंभीरता से देखा जा रहा है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा है। इस विवाद ने सामाजिक और धार्मिक स्तर पर व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कहना है कि यह मामला हिंदू समाज की धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा है। वहीं दरगाह के प्रतिनिधियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। कोर्ट के फैसले के बाद आगे की कार्यवाही पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। इससे पहले हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की याचिका पर बीते मंगलवार को सुनवाई हुई थी, तब कोर्ट ने 27 नवंबर की तारीख दी थी। याचिका में कोर्ट में पिछली सुनवाई के दौरान सबूत के तौर पर एक खास किताब पेश की गई थी। इस किताब के हवाले से यह दावा किया गया था कि दरगाह में एक हिंदू मंदिर था। यह किताब अजमेर निवासी हर विलास शारदा द्वारा वर्ष 1911 में लिखी गई थी। इस किताब का हवाला देते हुए हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने अपनी याचिका में कहा कि दरगाह की जमीन पर पहले भगवान भोलेनाथ का एक मंदिर था। इस शिव मंदिर में पूजा और जलाभिषेक होता था। दरगाह परिसर में मौजूद 75 फीट लंबे बुलंद दरवाजे के निर्माण में मंदिर के मलबे के अवशेष हैं।

अडानी पर सियासत, संसद में अडानी मामले की जांच को लेकर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में गौतम अडानी पर लगे आरोपों की आंच से मंगलवार को संसद में उबाल आ गया। संसद में इस मुद्दे पर विपक्ष ने अडानी मामले की जांच को लेकर जबरदस्त हंगामा किया। कांग्रेस लगातार अडानी की गिरफ्तारी की मांग कर रही है। कांग्रेस ने कहा कि अडानी पर लगे इतने संगीन आरोपों के बीच मोदी सरकार और जांच एजेंसियों को सांप क्यों सूंघ गया है? कोई कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं है। सरकार संसद में इस विषय को लेकर चर्चा कराने को तैयार नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रेस वार्ता में कहा कि किसी भी और के ऊपर अगर यह आरोप लगे होते तो ईडी, सीबीआई, सेबी जैसे संस्थान जांच करतीं, लेकिन अडानी की वजह से सबके हाथ पांव फूले हुए हैं। संसद में चर्चा तो दूर उनका नाम तक नहीं ले रहे। हर ओर से घिरे अडानी सिर्फ भारत में ही सुरक्षित हैं, क्योंकि यहां पर नरेंद्र मोदी के चलते कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अन्यथा इन आरोपों पर तो अभी तक उनकी गिरफ्तारी हो जानी चाहिए थी।

अडानी की दलीलों से आरोप नहीं धुलेंगे

कांग्रेस ने कहा कि अडानी ग्रुप की दलीलों से अमेरिकी एजेंसियों और वहां के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप धुलनेवाले नहीं हैं। इससे पहले ऐसा नहीं है कि भारतीय एजेंसियों ने अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस के आरोपों के आधार पर जांच नहीं की है। कांग्रेस ने कहा कि इसी मोदी सरकार के कार्यकाल में सीबीआई ने 2016 में अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस द्वारा लगाए आरोपों के आधार पर ब्राजीलियन जहाज बनाने की कंपनी एम्ब्रायर की जांच की थी। इसी मोदी सरकार के कार्यकाल में साल 2018 में सीबीआई ने अमेरिकन कंपनी लॉउज बर्गर की करोड़ों की घूस देने के आरोप में जांच की थी।

हादसे में 3 डॉक्टर समेत 5 की मौत

कन्नौज (ईएमएस)। कन्नौज में सड़क हादसे में सैफई मेडिकल कॉलेज के 3 डॉक्टर, एक लैब टेक्नीशियन और एक क्लर्क की मौत हो गई। हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के 3.30 बजे हुआ। 100 की स्पीड में चल रही स्कार्पियो डिवाइडर से टकराकर दो पलटी खाते हुए दूसरी लेन में आ गई। फिर ट्रक ने स्कार्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कार्पियो कई मीटर तक घिसटती चली गई। स्कार्पियो में 6 लोग सवार थे, 5 की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर है। मरने वाले 3 डॉक्टर सैफई मेडिकल कॉलेज से पीजी कर रहे थे।

170 साल पुराने पाक स्थित स्वामीनारायण मंदिर का होगा कायाकल्प

करांची (ईएमएस)। पाकिस्तान के कराची स्थित 170 साल पुराने स्वामीनारायण मंदिर का कायाकल्प होगा। सही ढंग से देखभाल न होने के कारण इसकी स्थिति काफी जर्जर हो गई है। यह मंदिर गुजरात के कालूपुर स्वामीनारायण संप्रदाय से जुड़ा है। भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में स्वामीनारायण मंदिर हैं, जहां भक्तों का जमावड़ा लगता है। भारत के बंटवारे से पहले पाकिस्तान के कराची शहर में स्थित स्वामीनारायण मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ होती थी, लेकिन इसके बाद से लंबे समय से यह मंदिर वीरान पड़ा है। हालांकि अब स्वामीनारायण मंदिर का रिनोवेशन होगा। 170 साल पहले मूल स्वामीनारायण संप्रदाय कालूपुर गुजरात द्वारा कराची में मंदिर की स्थापना की गई थी। 1947 में दोनों देशों के बीच विभाजन के कारण भगवान कृष्ण और स्वामीनारायण भगवान की दो मूर्तियों में से एक को राजस्थान के जालौर जिले के खान गांव में स्थापित किया गया था। बता दें कि यह मंदिर पाकिस्तान का पहला और आखिरी स्वामीनारायण मंदिर है। मंदिर का निर्माण साल 1851 में शुरू हुआ था और तीन साल बाद साल 1854 में यह बनकर पूरी तरह से तैयार हो चुका था। 170 साल पुराने इस मंदिर का परिसर 27,012 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है। साल 1947 के पहले तक इस मंदिर में दर्शन हेतु स्थानीय हिंदुओं के साथ ही आसपास के हिंदू भी जाते थे। हालांकि विभाजन के दौरान पाकिस्तान में हुए दंगों के बाद से मंदिर की स्थिति पूरी बदल गई। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए धर्मशाला का भी निर्माण किया गया था, लेकिन अब इस धर्मशाला में सिटी डिस्ट्रिक्ट गवर्नमेंट का ऑफिस है। साल 1947 में जब दंगे भड़क रहे थे तो इस धर्मशाला में शरणार्थी शिविर भी स्थापित किया गया था। इसके अलावा अब इस मंदिर परिसर में एक गौशाला की भी स्थापना की गई है।

बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में शिवराज सिंह चौहान, डॉ सरोज पांडेय और देवेंद्र फडणवीस

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीजेपी की ओर से नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर कवायद तेज हो गई है। दिल्ली मुख्यालय में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर लगातार बैठकों का दौर जारी है। इन बैठकों पर पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ समेत कई दिग्गज नेता नजर रखे हुए हैं।

बीजेपी के नए अध्यक्ष की जिम्मेदारी के लिए शिवराज सिंह चौहान, डॉ सरोज पांडेय और देवेंद्र फडणवीस का नाम भी चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि बीजेपी अध्यक्ष का नाम तय करने के लिए पीएम मोदी, अमित शाह और आरएसएस के नेताओं के बीच बैठक के बाद ये तीन नाम सामने आए हैं।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि शिवराज सिंह चौहान बीजेपी के दिग्गज नेता हैं। पार्टी के अंदर उनकी अच्छी साख है। ऐसे में वह प्रबल दावेदार हैं। उधर देवेंद्र फडणवीस बीजेपी के युवा चेहरे हैं। महाराष्ट्र जीत के बाद बीजेपी फडणवीस को भी राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने को लेकर पार्टी मंथन कर रही है। फडणवीस को पीएम मोदी और अमित शाह का भी करीबी माना जाता है। वहीं बीजेपी इस बार चौंकाने वाला फैसला करते हुए बीजेपी की कद्दावर महिला नेता डॉ सरोज पाण्डेय को भी अध्यक्ष पद पर बैठा सकती है। उधर राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चा भी है कि बीजेपी का नया अध्यक्ष दक्षिण भारत से हो सकता है, क्योंकि इस समय बीजेपी के अहम पदों में से किसी भी पद पर दक्षिण भारत का नेता नहीं है।

कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है और महाराष्ट्र में इसके सभी 16 विधायकों को भाजपा में शामिल हो जाना चाहिए - देशमुख

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आशीष देशमुख ने महाराष्ट्र में इसकांग्रेस के सभी 16 नवनिर्वाचित विधायकों को भाजपा में शामिल होने का सुझाव दिया है।

राज्य में हाल में हुए चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 288 विधानसभा सीट में से 230 सीट पर जीत हासिल की है, जबकि विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) केवल 46 सीट ही जीत सका।

नागपुर जिले की सावनेर सीट से चुनाव जीतने वाले देशमुख ने एक बयान में कहा, ''भारतीय जनता पार्टी और महायुति गठबंधन ने बड़े अंतर से जीत हासिल की तथा हमने महाराष्ट्र में कांग्रेस का पतन देखा। कांग्रेस का यह पतन हर जगह हो रहा है।''

उन्होंने कहा कि हर राज्य में सीट संख्या और मतदाता आधार में लगातार गिरावट के कारण कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं बचा है।

भाजपा नेता ने कहा कि यह परिणाम विपक्षी पार्टी के लिए एक नया निचला स्तर है। देशमुख ने कहा कि कांग्रेस और उसके विधायकों का कोई भविष्य नहीं है तथा महाराष्ट्र में इसके विधायकों को भाजपा में शामिल हो जाना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि महाराष्ट्र भारत का 17वां राज्य है जहां विधानसभा में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से भी कम है।

देशमुख ने कहा, ''288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में सिर्फ 16 विधायकों के साथ कांग्रेस के पास अब सदन में सिर्फ 5.55 प्रतिशत सीट हैं। यह 1962 के बाद से राज्य विधानसभा में कांग्रेस पार्टी की सबसे कम सीट हिस्सेदारी है।''

उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से कांग्रेस की सीट हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से घटकर अब 10 प्रतिशत से भी कम रह गई है। जून 2023 में कांग्रेस से निष्कासित किए जाने के बाद देशमुख भाजपा में शामिल हो गए थे।

बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा बजट, आटा, तेल और सब्जी की कीमतें आसमान पर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बढ़ती महंगाई की वजह से घर का बजट बिगड़ गया है। सब्जियों के साथ आटा, मैदा, ब्रेड, रिफाइंड तेल और चायपत्ती की बढ़ती कीमतों ने किचन की व्यवस्था बिगाड़ दी है। कई चीजों की कीमत पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई है। आटे के 10 किलो के पैकेट की कीमत में 20-30 रुपए बढ़ गई है, जबकि ब्रेड के पैकेट पर 5 रुपए बढ़ गए हैं। चायपत्ती के दाम में प्रति किलो 50 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। रिफाइंड तेल की कीमत में पिछले दो महीनों में प्रति लीटर 15 रुपए का उछाल आया है।

बाजार में गेहूं की कमी आटे की कीमतों में बढ़ोरती का मुख्य कारण है। पिछले साल केंद्र सरकार की ओपन मार्केट सेल स्कीम से राहत मिली थी लेकिन इस साल ऐसा नहीं हुआ। इसके चलते आटे की कीमत में प्रति किलो 3-4 रुपए बढ़ गई है। सरकार से अपील की जा रही है कि गेहूं की आपूर्ति बढ़ाई जाए। अरहर (तुअर) दाल की कीमत 200 रुपए प्रति किलो है लेकिन नई फसल आने से अगले महीने राहत की उम्मीद है। मूंग और उड़द दाल की कीमत स्थिर है, जबकि चने की दाल और बासमती चावल की कीमत में प्रति किलो 10 रुपए की गिरावट आई है।

सब्जियों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पालक मंडियों में 70 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है, जबकि मटर 100-120 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। उच्च गुणवत्ता वाली मटर की कीमत मंडियों में 200 रुपए प्रति किलो है। रिटेल कारोबारियों के मुताबिक बढ़ती कीमतों के चलते ग्राहक खरीदारी कम कर रहे हैं। उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सरकार और आपूर्ति चैनलों से हस्तक्षेप की मांग की जा रही है।

बंगाल की खाड़ी में बना फेंगल चक्रवात, दो दिन में तमिलनाडु के तट से टकराने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। बंगाल की खाड़ी में फेंगल चक्रवात बना है। इसके दो दिन में तमिलनाडु के तट से टकराने की आशंका है। फेंगल चक्रवात के चलते चेन्नई, कांचीपुरम, चेंगलपेट, तिरुवल्लुर, कुड्डालोर, नागापट्टिनम में बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग क अनुसार फेंगल के चलते 75-80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। यहां विमान देरी से पहुंच रहे हैं और छह जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। दिलचस्प बात है कि फेंगल चक्रवात का एक कनेक्शन सऊदी अरब से भी है। फेंगल शब्द का अपना एक खास मतलब है। फेंगल शब्द अरबी भाषा का है। इस चक्रवात को फेंगल नाम सऊदी अरब ने दिया है। अरबी भाषा से लिए गए शब्द फेंगल का मतलब सांस्कृतिक पहचान और भाषाई परंपरा का मिश्रण है। फेंगल शब्द संस्कृति में विविधता को दर्शाता है। फेंगल शब्द सऊदी की तरफ से इसलिए दिया गया था ताकि वो अपनी विरासत और भाषा को दर्शा सके। इसी तरह दूसरे देश भी तूफानों के लिए नाम प्रस्तावित करते हैं। नाम प्रस्तावित करते समय यह ध्यान रखा जाता है कि इसमें किसी तरह का कोई विवाद न शामिल हो और क्षेत्रीय विविधता को प्रस्तुत करें।

कैसे हुआ चक्रवातों का नामकरण

चक्रवातों के नामकरण का भी अपना विशेष तरीका है। 1953 से वर्ल्ड मेटीरियोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएमओ) तूफानों और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नाम रखता रहा है, लेकिन उत्तरी हिन्द महासागर में आने वाले चक्रवात का कोई नाम नहीं रखा गया था। ऐसा इसलिए किया गया था क्योंकि यहां नाम रखना विवादास्पद हो सकता है। संगठन नहीं चाहता था कि नाम से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। साल 2004 में इसे तय करने वाले अंतरराष्ट्रीय पैनल को भंग कर दिया गया और सम्बंधित देशों को चक्रवातों के नाम तय करने की बात कही गई। इसकी बैठक में भारत के साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार, ओमान और थाईलैंड यानी आठ देशों ने हिस्सा लिया था। इन देशों ने अपनी तरफ से आठ-आठ यानी 64 नामों की सूची सौंपी। चक्रवातों के लिए अपनी तरफ से नाम प्रस्तावित किए। इस प्रक्रिया के बाद जून 2014 में नानुक चक्रवात आया थ जिसका नाम म्यांमार ने रखा था। इसके बाद साल 2018 में पांच अन्य देशों को शामिल किया गया। इसमें ईरान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यमन शामिल थे। डब्ल्यूएमओ ने सभी देशों की तरफ से प्रस्तावित किए गए नामों की सूची बनाई। इस सूची को हर छह साल में बदला जाता है। यही वजह है कि तूफान आने से पहले उसका नाम तय रहता है। कुछ समय पहले ओडिशा में आए दाना तूफान आया था, जिसका मतलब था उदारता।

मणिपुर के नौ जिलों में दो दिन बढ़ा इंटरनेट प्रतिबंध

इंफॉल (ईएमएस)। मणिपुर के नौ जिलों में बुधवार को मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध दो दिन और 29 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद गृह विभाग ने यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, सरकार ने इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेर्जवाल और जिरिबाम जिलों में मोबाइल इंटरनेट और डाटा सेवाओं सहित वीएसटी और वीपीएन को जनता के हित में अगले दो दिनों तक प्रतिबंधित रखने का निर्णय लिया है। 16 नवंबर को राज्य में हिंसा बढ़ने के बाद प्रशासन ने इंटरनेट सेवाओं को दो दिन के लिए प्रतिबंधित किया था, ताकि असामाजिक तत्वों के ऐसे कंटेंट का प्रसार रोका जा सके, जो कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा कर सकते थे। तब से इस निलंबन को कई बार आगे बढ़ाया गया है। हालांकि, राज्य सरकार ने ब्रॉडबैंड सेवाओं को मंगलवार को शर्तों के साथ बहाल किया है, ताकि आम लोगों, स्वास्थ्य सेवाओं, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य कार्यालयों को होने वाली दिक्कतों को कम किया जा सके। मणिपुर के एक नागरिक समाज संगठन कोकोमी के स्वयंसेवकों ने बुधवार को राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को कार्यालयों से बाहर निकालने का दबाव डाला। कोकोमी ने दो दिन के लिए इन कार्यालयों को बंद कराने का ऐलान किया था। कोकोमी के छात्र संगठन के स्वयंसेवकों ने इंफाल के सचिवालय और परिवहन निदेशालय कार्यालय में घुसकर कर्मचारियों को कार्यालय छोड़ने को कहा। ये कार्यालय मणिपुर पुलिस मुख्यालय औ मुख्यमंत्री के बंगले के पास स्थित हैं। इन स्वयंसेवकों ने कार्यालयों के गेट को भी बंद करने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। कोकोमी के छात्र मोर्चा के समन्वयक धनकुमार मेतेई ने कहा, हमने राज्य सरकार के कार्यालयों को बंद कराने का अभियान शुरू किया है।

कश्मीर विवादित क्षेत्र, इस पर भारत और पाक का अधिकार नहीं

फारूक अब्दुल्ला के भाई मुस्तफा के विवादित बोल

जम्मू (ईएमएस)। फारूक अब्दुल्ला के भाई मुस्तफा कमाल ने कश्मीर को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर के दोनों हिस्से विवादित क्षेत्र हैं। कश्मीर पर न तो भारत का और न ही पीओके पर पाकिस्तान का हक है। यह मुद्दा अभी भी संयुक्त राष्ट्र में चल रहा है। मुस्तफा कमाल ने कहा कि कश्मीरियों के साथ केंद्र सरकार का व्यवहार अच्छा नहीं है। सरकार हमेशा कश्मीर के लोगों से नफरत करती आई है। संयुक्त राष्ट्र को जम्मू-कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के लिए दोनों देशों के साथ बातचीत शुरू करनी चाहिए। भाजपा नेता चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर को टुकड़ों में विभाजित किया जाए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता मुस्तफा कमाल ने भारतीय जनता पार्टी पर भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में दरार पैदा करने का आरोप भी लगाया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला -आरक्षण के लिए धर्म परिवर्तन संविधान से धोखा

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ आरक्षण का फायदा उठाने के लिए किया गया धर्म परिवर्तन संविधान के साथ धोखा है। अदालत ने यह फैसला उस केस में सुनाया, जिसमें एक महिला ने क्रिश्चियन धर्म अपना लिया था, लेकिन बाद में शेडयूल कास्ट सर्टिफिकेट हासिल करने के लिए दावा किया कि वो हिंदू है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की अपील को ठुकरा दिया और कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस आर महादेवन ने मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा। बेंच ने कहा कि किसी को भी धर्म परिवर्तन तब करना चाहिए, जब वो वास्तव में उस धर्म के मूल्यों, विचारों और आस्था से प्रेरित हुआ हो।

बिना आस्था धर्म परिवर्तन को इजाजत नहीं

अदालत ने कहा कि अगर धर्म परिवर्तन का मकसद आरक्षण का फायदा उठाने के लिए हो, लेकिन व्यक्ति को उस धर्म पर भरोसा नहीं हो तो इसे इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसे में ये सिर्फ रिजर्वेशन पॉलिसी और सामाजिक स्वभाव को नुकसान पहुंचाएगा।

बाप्टिज्म के बाद हिंदू होने का दावा नहीं कर सकते

बेंच ने कहा कि हमारे सामने जो सबूत रखे गए, उसके आधार पर बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता ने क्रिश्चियन धर्म अपनाया और वो लगातार चर्च जाती है, यानी वो धर्म का पालन भी कर रही है, लेकिन दूसरी तरफ वो यह दावा कर रही है कि वो हिंदू है। वो रोजगार के लिए स्ष्ट सर्टिफिकेट चाहती है। वो दो दावे कर रही है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। वे बाप्टिज्म के बाद खुद के हिंदू होने का दावा नहीं कर सकतीं।

याचिकाकर्ता महिला से 8 वकीलों ने जिरह की

याचिकाकर्ता महिला सेल्वरानी की ओर से वकील एनएस नप्पिनई, वी बालाजी, असाइथम्बी एमएसएम, अतुल शर्मा, सी कन्नन, निज़ामुद्दीन, बी धनंजय और राकेश शर्मा ने जिरह की। वहीं, वकील अरविंद एस, अक्षय गुप्ता, अब्बास बी और थराणे एस ने तमिलनाडु सरकार का पक्ष रखा।

बैलेट पेपर से चुनाव को लेकर सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगातार मिलती हार से दुखी कांग्रेस अब बैलेट पेपर से चुनाव कराने को लेकर सड़क पर उतरने की तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि चुनाव में हार स्वीकार करने की बजाय कांग्रेस पार्टी लगातार हार के लिए ईवीएम को जिम्मेदार ठहरा रही है। कांग्रेस को लगता है कि जनता उसे स्वीकार करती है जबकि ईवीएम रिजेक्ट कर देती है, जिससे वे चुनाव हार जाते हैं। अब देखना यह है कि कांग्रेस की मुहिम को जनता का कितना समर्थन मिलता है। दरअसल साल 2018 में जब राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे उस दौरान पास हुए प्रस्तावों में एक प्रस्ताव ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने को लेकर भी था। हालांकि कभी मुखर कभी चुप रखकर कांग्रेस कोई सीधी लाइन नहीं ले पाई और ये प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया। अब एक बार फिर से कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाया है। साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में 99 सीटें पाने के बाद जब हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी शिकस्त मिली तो पार्टी ने हार का ठीकरा चुनाव आयोग के साथ ही एक बार फिर से ईवीएम पर फोड़ दिया है, उसने ईवीएम पर फिर से सवाल खड़े किए हैं। इस बीच बीते 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर से बैलेट से चुनाव कराने की मांग की। उन्होंने खुलकर इसके लिए आंदोलन करने का ऐलान किया। खरगे के इस ऐलान के बाद पार्टी के अंदर जो लोग ईवीएम को दुरुस्त बताते थे वो लोग भी खामोश हो गए। कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने इस पर कहा कि उन्होंने सिर्फ अपनी राय दी थी, लेकिन अब अध्यक्ष ने जो कहा वही पार्टी लाइन है और उसे ही माना जाएगा। वहीं कांग्रेस के इस ऐलान के बाद इंडिया गठबंधन के दलों को इस मुद्दे पर साथ लाने की कवायद ते हो चली है. समाजवादी पार्टी, जेएमएम, एनसीपी-शरद गुट, शिवसेना-यूबीटी समेत संसद में फ्लोर लीडर्स की मीटिंग से नदारद रहने वाली टीएमसी ने भी इस मुद्दे पर सहमति दी है। हालांकि इंडिया गठबंधन के बीच इस मुद्दे पर मजबूत जोड़ बनाने के लिए खरगे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सभी दलों के सुप्रीमो से बात करेंगे। उसके पहले कांग्रेस पार्टी 29 तारीख को कार्यसमिति में बैठक में अपने रोड मैप पर चर्चा करेगी। इस मुद्दे को लेकर पार्ची के सभी नेताओं को एक लाइन पर रहने की इस मुकी हिदायत दी ही जा चुकी है। अब देखना यह है कि जिस ईवीएम को सुप्रीम कोर्ट स्वीकार कर चुका है उसे लेकर कांग्रेस के अंदोलन को कितना जन समर्थन मिलता है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाएगी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। वक्फ संशोधन विधेयक पन बनी जेपीसी का कार्यकाल बढ़ने की उम्मीद है। इसे लेकर सरकार गुरुवार को लोकसभा में प्रस्ताव पेश कर सकती है। गौरतलब है कि बुधवार को इसकी बैठक से विपक्षी सांसदों ने वॉकआउट किया। सांसदों ने कहा कि इसकी प्रक्रिया मजाक बन गई है। सांसदों ने ये कदम उस वक्त उठाया, जब बैठक में कहा गया कि 29 नवंबर तक रिपोर्ट पेश करनी है। सत्ता पक्ष के सांसदों ने विपक्षी सदस्यों को समझाने की कोशिश की। विपक्षी सांसदों के वॉकआउट के बाद अब गुरुवार को लोकसभा में जेपीसी का टर्म बढ़ाने का प्रस्ताव पेश होगा। इस पर कमेटी में आम राय है। कमेटी का टर्म बजट सत्र के पहले सप्ताह तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। कांग्रेस के गौरव गोगोई ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संकेत दिया था कि कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। मगर, ऐसा लग रहा है कि कोई बड़ा मंत्री समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को निर्देश दे रहा है। गौरव गोगोई, डीएमके के ए. राजा, आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने जगदंबिका पाल के रवैये का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वो सही प्रक्रिया पूरी किए बिना 29 नवंबर की समयसीमा तक कार्यवाही पूरी करना चाहते हैं। कल्याण बनर्जी ने कहा कि यह एक मजाक है। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सांसद विजयसाई रेड्डी ने कहा कि बीजेपी के साथ गठबंधन नहीं करने वाली सभी पार्टियां कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहते थे। मगर, कमेटी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने अपना काम पूरा करने का आह्वान किया, जिससे रिपोर्ट 29 नवंबर को लोकसभा में पेश की जा सके। जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि कमेटी की सर्वसम्मति से यह राय है कि कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए।

एकनाथ शिंदे के समर्पण के बाद भी मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के समर्पण के बाद भी मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस बरकरार है। ठाणे में एक प्रेस वार्ता में शिंदे ने कहा कि मैंने राज्य के लिए काम किया है और आगे भी करता रहूंगा। मुख्यमंत्री भाजपा का होगा और मैं उसे पूरे मन से स्वीकार करूंगा। हालांकि, बीजेपी किसे मुख्यमंत्री बनाएगी, इस पर पत्ते खुलना अभी बाकी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिंदे ने महाराष्ट्र की सियासत में मशहूर शेर बन चुके अभी तो उड़ान बाकी है' भी पढ़ा। शिंदे ने कहा है कि मुझे जब मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी मिली, तब विकास के मामले में महाराष्ट्र तीसरे नंबर पर था। मैंने इसे पहले नंबर पर लाया। महाराष्ट्र में महिलाओं ने एकतरफा हमारे पक्ष में जनादेश दिया है। हमने उनके लिए लाड़की बहिन योजना शुरू की थी। अपना काम आगे भी जारी रखूंगा। मुख्यमंत्री पद पर फाइनल फैसला भाजपा को करना है। भाजपा हाईकमान जिसे मुख्यमंत्री बनाएगी, उसके अधीन सब मिलकर काम करेंगे। मैं स्पीड ब्रेकर नहीं बनने वाला हूं। 288 विधानसभा सीटों वाली महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन को 230 से ज्यादा सीटों पर जीत मिली है। 132 सीट जीतकर विधानसभा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। एकनाथ शिंदे की पार्टी को महाराष्ट्र के हालिया चुनाव में 57 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा जादुई नंबर से सिर्फ 13 कदम दूर है। बीजेपी को पांच निर्दलीय और 41 एनसीपी विधायकों का भी समर्थन है। ऐसे में उसके सामने बहुमत के आंकड़े को छूने में कोई परेशानी नहीं है। ऐसी स्थिति में एकनाथ शिंदे के पास बीजेपी का फॉर्मूला मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। शिंदे अगर सत्ता में नहीं रहते हैं तो आगामी मुंबई नगर निगम के चुनाव में उनकी स्थिति कमजोर हो सकती है। कहा जा रहा है कि मुंबई में जल्द ही नगर निगम के चुनाव कराए जा सकते हैं। मुंबई नगर निगम को शिवसेना का गढ़ माना जाता है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद अब एकनाथ शिंदे यहां भी अपनी मजबूती दिखाने की कोशिश करेंगे।

संभल हिंसा का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जमीयत उलमा-ए-हिंद ने दायर की याचिका

नई दिल्ली (ईएमएस)। संभल हिंसा का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। जमीयत उलमा ए हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करते हुए जल्द सुनवाई की मांग की है। जमीयत ने सुप्रीम कोर्ट से पूजा स्थलों की सुरक्षा को बने कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्व में दायर याचिका पर जल्द सुनवाई करने की मांग की है। मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि संभल अराजकता, अन्याय, क्रूरता और दरिंदगी की जीती जागती तस्वीर है। देश में वर्षों से फैली नफरत अब गोलियों तक पहुंच गई है।

विशाखापट्टनम की फार्मा यूनिट में गैस लीक, एक की मौत, 20 जख्मी

विशाखापट्टनम (ईएमएस)। आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम के अनाकापल्ली में एक फार्मा कंपनी में जहरीली गैस के रिसाव से 1 व

जन हितैषी

नांदेड के लोकसभा और विधानसभा चुनाव परिणाम से केंद्रीय चुनाव आयोग सवालों के घेरे में

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ ही लोकसभा के लिए भी एक सीट पर उपचुनाव हुआ था। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने नांदेड़ सीट पर विजय हासिल की है। नांदेड लोकसभा सीट की सभी 6 विधानसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को विजय प्राप्त हुई है। लोकसभा और विधानसभा सीटों के लिए एक साथ मतदाताओं ने मतदान किया था। लोकसभा में कांग्रेस का जीतना और विधानसभा की सभी सीटों पर हार जाना सभी को आश्चर्यचकित कर रहा है। इस तरह के चुनाव परिणाम ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। नांदेड़ परंपरागत रूप से कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना शिंदे गुट और अजीत पवार की राकांपा ने इस लोकसभा सीट को जीतने के लिए अपनी सारी ताकत लगा दी थी। उसके बाद भी उपचुनाव में लोकसभा की यह सीट कांग्रेस उम्मीदवार ने जीतकर अपने गढ़ को बचाए रखने में सफलता हासिल की है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, इसी लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली 6 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस बुरी तरह से पराजित हुई है। सभी 6 सीटों पर एनडीए की महायुती गठबंधन ने चुनाव जीता है। इसको लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मच गया है। विधानसभा चुनाव के मतदान और मतगणना को लेकर बार-बार चुनाव आयोग ने मतदान का प्रतिशत बढ़ाया। नांदेड लोकसभा सीट के मतदाता ही विधानसभा सीट के मतदाता थे। एक ही समय पर मतदाताओं ने लोकसभा के लिए कांग्रेस को वोट देकर अपना भरोसा जताया। वहीं मतदाता विधानसभा के लिए कांग्रेस को छोड़कर यदि महायुती गठबंधन के लिए वोट कर रहा था, ऐसी स्थिति जमीनी स्तर पर नही दिख रही थी। ना ही मतदाता इस चुनाव परिणाम को स्वीकार कर पा रहा है। इस चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी और किसानो की समस्या महाराष्ट्र चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा था। अभी तक केंद्रीय चुनाव आयोग को लेकर जो आरोप और प्रत्यारोप लग रहे थे। नांदेड़ लोकसभा सीट और उसी की 6 विधानसभा सीट के चुनाव परिणाम एक दूसरे के विपरीत होने के कारण, मतदाता भी सड़कों पर आकर चुनाव परिणाम को लेकर अपनी नाराजी जता रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम में महा विकास अघाड़ी की करारी पराजय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। ईवीएम मशीन बार-बार चुनाव आयोग द्वारा परसेंटेज बढाए जाने मतगणना के समय 99 फ़ीसदी बैटरी चार्ज का मामला एक बार फिर विवादों में आ गया है। शिवसेना उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत ने ईवीएम मशीन और मतगणना पर सवाल उठाते हुए महाराष्ट्र के घोषित चुनाव परिणाम को मानने से इनकार कर दिया है। संजय राउत ने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा, हम इस परिणाम को नहीं मानते हैं। वैलेट पेपर से ही चुनाव कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा ईवीएम मशीनों से छेड़छाड़ कर चुनाव परिणामों को प्रभावित किया गया है। महाराष्ट्र के पत्रकारों ने भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणामों को लेकर नए-नए सवाल खड़े किए हैं। जिस तरह की सवाल राजनीतिक दलों और मतदाताओं की ओर से आ रहे हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा उन सवालों का जवाब नहीं दिया जा रहा है। महाराष्ट्र के पत्रकारों का कहना है, कि यह केवल तकनीकि मामला नहीं है। चुनाव आयोग को चुनाव प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने की जरूरत है। जब तक जनता और राजनीतिक दलों को ईवीएम मशीन की प्रक्रिया पर पूरी तरह से विश्वास नहीं होगा। इसी तरह से विवाद होते रहेंगे। आयोग अपने जवाब में बार-बार यही कहता है, हेर-फेर की गुंजाइश नहीं है। पिछले कई चुनाव से चुनाव आयोग द्वारा परसेंटेज पर मतदान की स्थिति बताना, बार-बार उसमें बदलाव करना, मतदान के दो दिन बाद और मतगणना के पहले, मतदान का परसेंटेज बदल जाना, 99 फ़ीसदी चार्ज बैटरी में भाजपा के पक्ष में मतदान होना। ऐसे कई सवाल पिछले दो चुनाव से सामने आ रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा फार्म 17 सी की जानकारी और मतगणना स्थल पर ईवीएम मशीनों के सीरियल नंबर नहीं दिखाना। फार्म सी की जानकारी मतगणना स्थल पर उपलब्ध नहीं कराना। प्रत्येक चरण की मतगणना की जानकारी दिए बिना, अगले चरण की मतगणना शुरू कर देना, कई चरण की मतगणना का परिणाम एक साथ घोषित करना। चुनाव आचार संहिता का पालन नहीं करने जैसे कई गंभीर आरोप चुनाव आयोग पर लगातार लग रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा ना तो उनका जवाब दिया जा रहा है। इस तरह की शिकायतों पर जिस तरह की धमकी चुनाव आयोग द्वारा शिकायतकर्ता को दी जाती है। उसको लेकर अब जनरोष भी देखने को मिलने लगा है। जो चुनाव परिणाम हरियाणा और महाराष्ट्र के घोषित हुए हैं। वह जमीनी हकीकत के ठीक विपरीत हैं। मतदाता नाराजी में वोट डाल रहा था, उसने भाजपा को वोट ही नहीं दिया, लेकिन वहाँ उम्मीदवार बीजेपी का जीत रहा है। इसको लेकर अब आम जनता भी अपना विरोध दर्ज करने सड़कों पर आने लगी है। मतदान केंद्र के मतदाता जब अपने मतदान केंद्र का परिणाम देखते हैं। तो वह आश्चर्य प्रकट करते हैं, चुनाव परिणाम ऐसा हो ही नहीं सकता है। कई मतदान केंद्रों में यह भी स्थिति देखने को मिली है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर जिस तरह के सवाल उठे हैं, उसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में भी नहीं होने के कारण अब जनता बगावत के मूड में आई हुई दिख रही है। सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के खिलाफ किसी भी याचिका को स्वीकार नहीं करता है। जिसके कारण अब राजनीतिक दलों और मतदाताओं के विद्रोही तेवर देखने को मिलने लगे हैं। यदि यही स्थिति रही तो जिस तरह की स्थिति बांग्लादेश में देखने को मिली है उसी तरीके के हालात भारत में भी बनते हुए दिख रहे हैं। न्याय पालिका द्वारा जिस तरह से चुनाव आयोग और सरकार का बचाव किया जा रहा है, उसके बाद से अब न्यायपालिका भी आलोचनाओं की शिकार हो गई है। सोशल मीडिया पर जिस तरह से पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं वर्तमान न्यायाधीशों के बारे में जिस तरह से लिखा और बोला जा रहा है। अब राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी सार्वजनिक रूप से विरोध किया जा रहा है उससे न्यायपालिका की साख भी दिनों-दिन कमजोर हो रही है। यह चिंता का विषय है।

कृतज्ञता-संस्कृति से संवरती है जिन्दगी

(धन्यवाद दिवस- 28 नवम्बर, 2024)

हर साल नवंबर के चौथे गुरुवार को अमेरिका समेत कई देशों में थैंक्सगिविंग डे यानी धन्यवाद दिवस, कृतज्ञता दिवस मनाया जाता है। थैंक्सगिविंग आधिकारिक तौर पर छुट्टियों के मौसम की शुरुआत का प्रतीक होता है, जिसे जर्मनी, ब्राजील, कनाडा, जापान और अन्य देशों में भी मनाया जाता है। अमेरिका में इस दिन को क्रिसमस की ही तरह धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे का शुक्रिया अदा करते हुए आने वाले साल के लिए सुखद, स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल होने की दुआ करते हैं। यह दिन उत्तरी अमेरिका का एक पारंपरिक त्योहार है, जो एक तरह का फसल पर्व है। अधिकांश धर्मों में फसल कटने के बाद धन्यवाद की प्रार्थना और विशेष धन्यवाद समारोह आम बात है। इस दिन को मनाने का मकसद किसी अपने या अनजान व्यक्ति द्वारा की गई किसी भी तरह की मदद या सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा करना है। इस दिन आप खास अंदाज में उन्हें शुक्रिया कह सकते हैं। आमतौर पर लोग इस दिन को अपने परिवार और दोस्तों के साथ सेलिब्रेट करते हुए अपने घरों में पारंपरिक भोजन का एक साथ आनंद लेते हैं। थैंक्सगिविंग डे को मनाने की शुरुआत पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी रूसवेल्ट द्वारा साल 1939 में की गई थी, जिसे बाद में साल 1941 में अमेरिकी कांग्रेस ने मान्यता दी थी।

कृतज्ञता जरूरी है। सभी धर्मों में कृतज्ञता का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कृतज्ञता धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार करती है। सिसरो से लेकर बुद्ध तक और अन्य कई दार्शनिक व आध्यात्मिक शिक्षकों ने भी कृतज्ञता को भरपूर बांटा है और उससे प्राप्त खुशी को उत्सव की तरह मनाया है। दुनिया के सभी बड़े धर्म हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध मानते हैं कि किसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना एक भावनात्मक व्यवहार है और अंत में इसका अच्छा प्रतिफल प्राप्त होता है। बड़े-बड़े पादरी और पंडितों ने इस विषय को लेकर बहुत-सा ज्ञान बांटा है, लेकिन आज तक इन विद्वानों ने इसे विज्ञान का रूप नहीं दिया है। जबकि कृतज्ञता, धन्यवाद एवं शुक्रिया का बड़ा वैज्ञानिक महत्व भी है।

परोपकार एवं उपकार के प्रति आभार व्यक्त करना, कृतज्ञता एवं धन्यवाद ज्ञापित करना मानवीय मूल्य है। भले ही कृतज्ञता के पास शब्द नहीं होते, किन्तु साथ ही कृतज्ञता इतनी कृतघ्न भी नहीं होती कि बिना कुछ कहे ही रहा जाए। यदि कुछ भी न कहा जाए तो शायद हर भाव अव्यक्त ही रह जाए, इसीलिए 'आभार' मात्र औपचारिकता होते हुए भी कहीं गहराई में एक प्रयास भी है अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का, अपने को सुखी और प्रसन्न बनाने का। किसी के लिए कुछ करके जो संतोष मिलता है उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। फिर वह कड़कती ठंड में किसी गरीब को एक प्याली चाय देना ही क्यों न हो और उसके मन में 'जो मिला बहुत मिला-शुक्रिया' के भाव हों तो जिंदगी बड़े सुकून से जी जा सकती है, काटनी नहीं पड़ती।

अमेरिकी लोग दुनियाभर में कई रोज़मर्रा की स्थितियों में 'धन्यवाद' कहने के लिए जाने जाते हैं । हालाँकि इनमें से कुछ 'धन्यवाद' निस्संदेह दिल से कहे जाते हैं, लेकिन कई नियमित भी होते हैं और बिना किसी भावना के कहे जाते हैं। यह देखते हुए कि अमेरिकी कितनी बार 'धन्यवाद' कहते हैं, यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि दुनिया भर की कई अन्य संस्कृतियों में, लोग शायद ही कभी 'धन्यवाद' कहते हैं। भारतीय संस्कृति में कृतज्ञता को बहुत बड़ा गुण माना जाता है। भारतीय संस्कृति में बड़ों और गुरुओं का सम्मान करने पर ज़ोर दिया जाता है। महाभारत में कहा गया है कि उपकार को न याद रखने वाले कृतघ्न व्यक्ति का उद्धार नहीं होता। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए, खुशी को अपनाना चाहिए क्योंकि खुशी और कृतज्ञता एक-दूसरे को बढ़ाते और मज़बूत करते हैं। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए ध्यान, सकारात्मक चिंतन और कृतज्ञता के अभ्यास को अपनाने की बात कही गयी है। इस भावना को बढ़ाने के लिए रिश्तों, अनुभवों और जुड़ाव के क्षणों को महत्व देना चाहिए। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए, अपने कार्यों, विचारों एवं व्यवहारों का प्रभाव दूसरों पर भी पड़ता है, इस बात को समझने की अपेक्षा है।

हर व्यक्ति जितना अपने दुःखों से पीड़ित नहीं है, उससे ज्यादा वह दूसरों के सुखों से पीड़ित है। इसीलिये वह दुखी होता जारहा है। उसकी संकीर्ण मानसिकता एवं छोटी सोच का ही परिणाम है कि वह दुखों का सृजन करता है। इसके बावजूद वह सोचता है कि ऐसा मेरे साथ ही क्यों हुआ या फिर दुनिया के सारे दर्द मेरे लिए ही क्यों बने हैं, जबकि अगर सोचा जाए तो महत्वपूर्ण यह नहीं होता कि आपके पास पीड़ाएं कितनी हैं, जरूरी यह होता है कि आप उस दर्द के साथ किस तरह खुश रह जाते हैं। इसलिए जो कुछ भी बचा है, उसे गले लगाएं बजाए कि खोए हुए का गम मनाने के। जब हमारी दिशाएं सकारात्मक होती है जो हम सृजनात्मक रच ही लेते हैं। हमें कृतज्ञ तो होना ही होगा, क्योंकि इसके बिना छोटी-छोटी तकलीफे भी पहाड़ जितनी बड़ी बन जाती है। एक जिंदगी जीता है, दूसरा उसे ढोता है। एक दुःख में भी सुख ढूंढ लाता है, दूसरा प्राप्त सुख को भी दुःख मान बैठता है। एक अतीत भविष्य से बंधकर भी वर्तमान को निर्माण की बुनियाद बनाता है, तो दूसरा अतीत और भविष्य में खोया रहकर वर्तमान को भी गंवा देता है। इसी सोच ने पश्चिमी देशों में धन्यवाद दिवस को बड़ी व्यापकता दी है।

महान् दार्शनिक संत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा भी है कि यह बड़ी विचित्र बात है कि सद्गुण आदमी प्रयत्न करने पर भी जल्दी नहीं सीख पाता और दुर्गुण बिना किसी प्रयत्न के ही सीख लेता है, वैसे ही अच्छे बोल और मृदुभाषिता आदमी प्रयास करने पर भी जल्दी से नहीं सीख पाता और गाली तथा अपशब्द बिना प्रयास के ही सीख लेता है। इस प्रवृत्ति को बदलकर ही सुख पाने के प्रयत्न सफल हो सकते हैं। सोच को बदलना होगा, जिस संकीर्ण एवं विकृत सोच के साथ रहने से मन और भावों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा हो, वृत्तियां कलुषित और उच्छृंखल हो रही हों, जीवनशैली में विकृति आ रही हो, उनका साथ छोड़ देना ही हितकर है। वाल्मीकि ने रामायण में भी इस बात का उल्लेख किया है कि परमात्मा ने जो कुछ तुमको दिया है, उसके लिए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करो। हालांकि इसका विज्ञान बस इस छोटे से वाक्य में समाहित है कि जितना आप देंगे, उससे कहीं अधिक यह आपके पास लौटकर आएगा, लेकिन इसे समझ पाना हर किसी के वश की बात नहीं है। 'कितना दें और क्यों' इस बात में बिल क्लिंटन ने देने का गणित बेहतर ढंग से समझाया है।

औरों में दोष देखने की छिद्रान्वेषी मनोवृत्ति कृतज्ञता-संस्कृति की बड़ी बाधा है। लोग हमेशा इस ताक में रहते हैं कि कौन, कहां, किसने, कैसी गलती की। औरों को जल्द बताने की बेताबी उनमें देखी गई है, क्योंकि उनका अपना मानना है कि इस पहल में भरोसेमंद इंसान की पहचान यूं ही बनती है। यह भ्रामक सोच अनेक समस्याओं की जनक है। वास्तविकता यही है कि सुख प्राप्ति के लिए आदमी दुख के उत्पादन का कारखाना चला रहा है। अपने मिथ्या दृष्टिकोण के कारण वह दुख को जेनरेट कर रहा है। सुख को पाने की चाह है तो दृष्टिकोण को सम्यक बनाकर सुख प्राप्ति के अनुरूप कार्य करना होगा। हमारे पास दो रास्ते हैं या तो हम दीप हो जाएं, जो उसे दुगुना कर देता है, लेकिन इसके लिये कुछ सार्थक करना होता। धन से प्रेरित होकर नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से प्रेरित होकर। क्योंकि बड़े-बड़े धन के अम्बार और महंगे साज-ओ-सामान के बजाय सार्थक संकल्प एवं कृतज्ञता का भाव जीवन को अधिक सुख देते हैं, प्रसन्न बनाते हैं। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

बिना दहेज शादी कर मिसाल पेश कर रहे है युवा!

उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले के गांव खुडाना निवासी एक दूल्हे ने 51 लाख रुपये दहेज को छोड़कर सिर्फ एक रुपया व नारियल लेकर अपनी शादी रचाई है। ऐसा करके दूल्हे ने दहेज प्रथा का विरोध कर दूसरों के लिए मिसाल पेश की है। सहारनपुर जिले में नानौता क्षेत्र के गांव खुडाना निवासी महावीर सिंह पुंडीर अपने पोते अभय प्रताप की बारात लेकर हरियाणा के करनाल में गए थे। वहां अभय का विवाह अशोक राणा की बेटी गौरा राणा के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। तिलक के दौरान दुल्हन के परिवार ने 51 लाख रुपये दहेज में देने चाहे , लेकिन दूल्हे और उसके परिजनों ने उक्त राशि लेने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा समाज में बहुत बड़ी बुराई है। दूल्हे और उसके परिजनों ने विनम्रता के साथ 51 लाख रुपये वधु पक्ष को लौटा दिए और दहेज में एक नारियल और एक रुपया लेकर शादी की।ऐसे ही यमुनानगर में भी एक दूल्हेम ने बिना दहेज शादी की है।दूल्हे ने ससुराल पक्ष से केवल एक रुपया और नारियल लेकर अपनी दुल्हकन को विदा कराकर घर लाया है। हंगोली गांव के एमए पास युवक हैप्पी ने मोहम्मदपुर की एमकाम युवती सिंपल के साथ रचाए विवाह में शुगन के तौर मात्र एक रुपया व नारियल लिया है। शिक्षित होकर खेती कर रहे हैप्पी लड़कियों को उच्च शिक्षा देने का पक्षधर है। साथ ही दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या और नशे जैसी बुराइयों का कड़ा विरोधी है। जब उसके रिश्ते की बात मोहम्मद पुर के मास्टर रणधीर सिंह की बेटी सिंपल के साथ चली तो उसने पहले ही दहेज न लेने की बात स्पष्ट कर दी थी।हैप्पी ने कहा कि एक उच्च शिक्षित युवती से उसका विवाह होना ही उसके लिए सबसे बड़ा दहेज है। हैप्पी की इस बात से उसके पिता जसपाल भी राजी थे। दामाद की दृढ़ इच्छा को देखते हुए मास्टर रणधीर सिंह भी बगैर दहेज अपनी बेटी की शादी के लिए राजी हो गए। रसूलपुर गांव में सादगी से संपन्न हुए हैप्पी व सिंपल के विवाह समारोह में नवदंपती को आशीर्वाद देने के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी भी पहुंचे थे। वही छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र में एक विवाह समारोह में वर पक्ष ने बिना दहेज के शादी कर अनूठी मिसाल पेश की है। शक्तिपीठ गमा देवी मंदिर में बिना बैंड-बाजे और दहेज की हुई शादी की हर ओर चर्चा हो रही है।यहां दूल्हे ने बिना तामझाम के शादी की और दहेज नहीं लिया।इस शादी ने क्षेत्र के लोगों का दिल जीत लिया। 29 वर्षीय सिद्धांत और पलिया बूंचपुर निवासी हेमा ने कम खर्च में बिना दहेज के शादी करने का फैसला लिया था। दोनों की इच्छा पर परिजनों ने सहमति जताई।

परिजनों के साथ शक्ति पीठ गमा देवी मंदिर पहुंचकर अग्नि व आदि शक्ति मां भगवती को साक्षी मानकर दोनों ने सात फेरे लिए। शादी में बैंड-बाजे से लेकर किसी तरह का फिजूल खर्च नहीं हुआ। पंडित बनारसी दास ने हिंदू रीति रिवाज से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह संपन्न कराया। दुल्हन ही दहेज है ,इस सच्चाई को धनबाद के भूली ए ब्लॉक के रहने वाले आकाश बाल्मीकि और उसके पिता राजू बाल्मीकि ने इसे साबित कर दिखाया है। आकाश ने आदर्श विवाह कर समाज को एक बेहतर संदेश देने का काम किया है।उन्होंने शगुन में एक रुपए और नारियल लेकर यह शादी रचाई है। आकाश ने लालाराम लोहरा की बेटी मुस्कान को अपनी जीवन संगिनी के रूप में स्वीकार किया है। इस फैसले में उसके माता-पिता ने भी साथ दिया है। शादी में वधु पक्ष की ओर से 1.51 लाख का चेक और कुछ सामान दिया गया था, जिसे आकाश के पिता ने लौटा दिया है।दहेज लौटाने पर लड़की के पिता असमंजस की स्थिति में आ गए थे,उन्हें लगा कि कहीं कोई गलती हो गई है, लेकिन जब उन्हें दहेज न लेने के निर्णय की बात पता चली तो लड़की पक्ष ने न सिर्फ राहत की सांस ली, बल्कि आकाश और उसके पिता के लिए उनकी नज़र में और भी सम्मान बढ़ गया।

कोयलांचल में भी एक आदर्श विवाह की चर्चा जोरों पर है।शगुन में एक रुपए और एक नारियल लेकर मुस्कान को बहू के रूप में दूल्हे ने अपनाया है। सेना में कैप्टन के पद पर तैनात राजीव और एमडी शिवानी एक रुपये में रिश्ता तय करके दाम्पत्य सूत्र में बंध गए हैं। इस शादी की हर जगह चर्चा हो रही है, वर पक्ष ने वधू पक्ष से कोई दान दहेज नहीं लिया।पलवल जिले में देवेंद्र अधाना के बेटे राजीव एमबीबीएस डॉक्टर बनने के बाद सेना में कैप्टन के पद पर कार्यरत हैं। डॉ राजीव का विवाह मास्टर ओमपाल की बेटी डॉ शिवानी के साथ संपन्न हुआ है। ओमपाल सिंह मूल रूप से फरीदाबाद के ढहकौला गांव के रहने वाले हैं, जो सरकारी स्कूल में टीचर हैं। इस बिना दहेज शादी से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिली है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन /ईएमएस) (लेखक सामाजिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

रिश्तों का व्याकरण बदल चूका है

रिश्तों का व्याकरण बदल चूका है। प्रस्तावना से सारांश तक रिश्ते बदलते जा रहे हैं। बिखर चुके खून के रिश्तों का विश्लेषण करना होगा रिश्तों की इस तबाही को रोकना होगा। नैतिक मूल्यों का क्षरण रोकना होगा। भटक चुके मानव को नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ समाज बन सके ख़ूनी रिश्तों में बढ़ता संक्रमण और नैतिक मूल्यों में गिरावट एक त्रासदी। नैतिक मूल्यों का व ख़ूनी रिश्तों का आस्तित्व खत्म होता जा रहा है,नैतिक मूल्यों में गिरावट एक त्रासदी है समय रहते इस त्रासदी को रोकना होगा समाज को मंथन करना होगा तभी नैतिक मूल्यों की गिरावट रुक सकती है। अक्सर देखा गया है की नई पीढ़ी नैतिक मूल्यों को भूलती जा रही है। नैतिक मूल्यों का ह्रास बहुत ही चिंतनीय है बुद्धिजीवी वर्ग को समय रहते मनन करना होगा वरना बहुत देर हो जाएगी। आधुनिक मानव स्वार्थी होता जा रहा है खून के रिश्तों को तोड़ रहा है और गैरों को अपना बना रहा है। रिश्तों की बुनियाद हिलती जा रही है और जर्जर हो चुकी है दीवार का एक पत्थर भी निकल जाये तो दीवार कभी भी ढह सकती है और रिश्ते दफन हो सकते हैं। रिश्तों की दशा अब दुर्दशा में बदलती जा रही हैत मानव निजी हितों के लिए अनैतिक आचरण कर रहा हैत यह बहुत ही घातक है। जर,जोरू,जमीन के लिए रिश्तों का खून बहाया जा रहा है परिवार के परिवार खत्म हो रहे हैं जमीन के टुकड़े के लिए एक दूसरे के प्यासे हो चुके हैं। भाईचारा खत्म होता जा रहा नफ़रत के बीज बोये जा रहे हैं रिश्तों की दीवारें दरक रही हैं और नफ़रत की दीवारें खड़ी होती जा रही हैं। रिश्तों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है असंतोष पनपता जा रहा है रिश्तों में गहरी खाइयाँ होती जा रही हैंत विश्वास टूट रहे हैं अविश्वास बढ़ता जा रहा है। रिश्तों की मिठास खत्म हो रही है रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती जा रही है। रिश्तों के बंधन टूट रहे हैं खून के रिश्तों में गांठे पड़ती जा रही हैं। नैतिक मूल्य नष्ट होते जा रहे हैं। रिश्तों की माला बिखर रही है माला के मनके इधर उधर बिखर रहे हैं। ख़ूनी रिश्ते गुमशुदा व गुमनाम होने लगे हैं कुछ रिश्ते लापता हो चुके हैं लापता होचुके रिश्तों को ढूंढ़ना होगा। रिश्तों की वर्णमाला के अक्षर भी आगे पीछे हो चुके हैं। रिश्तों की इबारतें भी बदल चुकी हैं। गलतफहमी ने भी रिश्तों को तोड़ा हैं टूट चुके रिश्तों को जोड़ना चाहिए ताकि रिश्तों की जड़े सदैव हरी रहे अहंकार के कारण रिश्ते बिखर रहे हैं। माया के मोहजाल में फंस चूका मानव आज भटक चूका है माया में अंधा हो चूका है पथभर्स्ट हो चूका है संवेदना,करुणा,मानवता नाम की कोई चीज नहीं है एक दूसरे को नीचे गिराने के लिए अनैतिक कार्य कर रहे हैं। रिश्ते असुरक्षित होते जा रहे हैं डरावने होते जा रहे हैं भय का वातावरण बन चूका है। रिश्तों के सिद्धांत बदलते जा रहे हैं परिभाषा बदल चुकी है रिश्ते मतलबपरस्त होते जा रहे हैं। नेकी व भलाई व अच्छाई खत्म होती जा रही है और बुराई का बोलबाला बढ़ता जा रहा है। रिश्तों में ग्रहण लग गया है एक दूसरे का अच्छा नहीं देख सकते। ईर्ष्या पनप रही है नतीजन सगे रिश्तों के सुख दुःख में शामिल नहीं होते केवल मात्र औपचारिकता निभाई जा रही है। चंद स्वार्थ के लिए रिश्ते टूट रहे हैं। रिश्तों की मशाल बुझती जा रही है। रिश्तों में बिखराव बड़े पैमाने पर बढ़ता जा रहा है। रिश्ते अर्थहीन होते जा रहे हैं। रिश्तों का स्वरूप बिगड़ चूका है। समाज को इस पर समीक्षा करनी होगी। रिश्तों में बढ़ती दूरियों को पाटना होगा एक सेतु बनाना होगा बिखर चुके रिश्तों को समेटना होगा ताकि रिश्तों की मशाल निर्बाध रूप से जलती रहे। बिखर चुके रिश्तों को संग्रहीत करना होगा नफ़रत के बीजों को नष्ट करना होगा। अपवित्र हो चुके रिश्तों को गंगाजल से पवित्र करना होगात खानाबदोशों की तरह बिखर चुके व भटक चुके रिश्तों को इकठा करना होगा। रिश्तों में विश्वास लाना होगा ताकि विश्वास बरकरार रहे। रिश्तों भटक चुके मानव को नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ समाज बन सके। मानवीय मूल्यों क़ो बचाना होगा। आधुनिक मानव माया के लालच में रिश्ते नाते भूलता जा रहा है मोबाइल पर व्यस्तता बहुत बढ़ गई है किसी से कोई मतलब नहीं है मोबाइल ही सच्चा साथी बन गया है मोबाइल ने रिश्तों में दूरियां पैदा कर दी हैंत मानव की संवेंदनायें मृतप्राय हो चुकी हैं और मानव संवेंदनहीन हो चूका है,कौन जी रहा कौन मर रहा है कोई सरोकार नहीं है। यह बहुत ही त्रासदी है चौबीस घंटे इंटरनेट की दुनिया में मस्त है चौबीस घंटे भी कम होने लगे है। दिन रात आभासी दुनिया में अनावश्यक ही व्यस्त रहता है। व्यस्तता इतनी बढ़ गई है कि माँ बाप के साथ बात तक करने क़ो समय नहीं है। एक समय था कि आदमी एक दूसरे के दुःख सुख में शामिल होता था लेकिन आज किसी के पास एक मिनट का भी समय नहीं है। रिश्ते नाते खत्म होते है रहे हैं रिश्तों का कत्लेआम किया जा रहा है चंद स्वार्थ के लिए रिश्ते तोड़े जा रहे हैं। समाज में भाई चारा खत्म होता जा रहा है एक दूसरे क़ो नीचा दिखाने कि होड़ लगी है। सोशल मीडिया पर हर समय व्यस्त रहते हैं। आज गरीब रिस्तेदार व भाई से नफ़रत की जाती हैत आभासी दुनिया तक ही सीमित हो चुके है। यह पतन कि पराकाष्ठा है। सवेंदना की परिभाषा बदल चुकी हैं और लोग संवेंदनहीन होते जा रहे हैं। आज सड़कों पर आदमी तड़फ तड़फ कर मर रहा है लोग सहायता तो नहीं करते वीडियो जरूर बनाते हैं। अगर समय पर अस्पताल ले जाएँ तो जान बच सकती है ऐसे वीडियो बनाने वालों पर कानूनी कारवाही करनी चाहिए। समाज किसी तरफ जा रहा हैं यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है। नैतिक मूल्यों का पतन हो चूका है इस पतन क़ो रोकना होगा। आज मानव फितरती होता जा रहा है। अहंकार से लवालब भर चूका है। अहंकार ने पता नहीं कितने ही सच्चे रिश्तों का वजूद खत्म कर दिया है। रिश्तों क़ो दीमक लग चुकी है तथा रिश्ते टूट रहे हैं। नैतिक मूल्यों का पालन करना होगा। रिश्तों को बचाना समाज हित में है।(लेखक - नरेंद्र भारती/ ईएमएस) (स्वतंत्र पत्रकार)

अवसाद से रहना है दूर तो पियो दूध

दूध एक संपूर्ण आहार है जो स्वस्थ दुधारू पशुओं के लैक्टियल स्राव से प्राप्त होता है। दुधारू पशुओं के ब्याने से 15 दिन पहले और ब्याने के 5 दिन बाद ही दूध का उपयोग होता है। दूध में मौजूद संघटक हैं- पानी, ठोस पदार्थ, वसा, लैक्टोज, प्रोटीन, खनिज वसा विहिन ठोस। अगर हम दूध में मौजूद पानी की बात करें तो सबसे ज्यादा पानी गधी के दूध में 91.5ज्ञ होता है, घोड़ी में 90.1ज्ञ, मनुष्य में 87.4ज्ञ, गाय में 87.2ज्ञ, ऊंटनी में 86.5ज्ञ, बकरी में 86.9ज्ञ होता है। दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, ज़िंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन- ए, विटामिन- डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के दूध में प्रति ग्राम 3.14 मिली ग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। पुराणों में दूध की तुलना अमृत से की गई हैं, जो शरीर को स्वस्थ मजबूत बनाने के साथ-साथ कई सारी बीमारियों से बचाता है। गाय का दूध आंतरिक पित्त-संबंधी समस्याओं जैसे की सीने में जलन, अल्सर और त्वचा पर चकत्ते को कम करने में मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार , वयस्कों को रात को सोने से पहले दूध पीना सबसे अच्छा बताया गया है। जबकि बच्चों को सुबह ही दूध पी लेना चाहिए। रात को सोने से पहले दूध पीने वाले व्यक्ति का ओजस बढ़ता है। पूर्ण या उचित पाचन की अवस्था ओजस कहलाती है। वहीं, गाय का दूध विटामिन का एकअच्छा स्रोत है। गाय का दूध मेलाटोनिन का समृद्ध स्रोत है। मस्तिष्क में स्थित पीनियल ग्रंथि एक छोटी अंतःस्रावी ग्रंथि है जो मेलाटोनिन हार्मोन को स्रावित करती है। यही मेलाटोनिन हार्मोन नीद को बढ़ावा देने में सहायक होता है। वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर सर्दियों के दौरान, कुल दैनिक दूध में मेलाटोनिन की संद्रता, औसतन, गर्मियों की तुलना में 74.7ज्ञ अधिक होती है। अतएव सर्दियों में दूध का पीना और ज्यादा फायदेमंद है। दूध में ट्रिप्टोफैन नामक एमिनो एसिड पाया जाता है। सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के उत्पादन में ट्रिप्टोफैन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सेरोटोनिन एक न्यूरोट्रांसमीटर है जो मनोदशा (मूड), संज्ञानात्मक तर्क और स्मृति को प्रभावित करता है। दिन में दुही गई गायों की अपेक्षा रात्रि में दुही गई गायों से एकत्रित किया गया दूध ट्रिप्टोफैन के अलावा इसमें मेलाटोनिन की भी भरपूर मात्रा होती है। अतएव हम कह सकते हैं कि दूध पीने से तनाव और अवसाद दूर रहता है। (लेखक – डॉ. शंकर सुवन सिंह/ईएमएस) (असिस्टेंट प्रोफेसर (सेलेक्शन ग्रेड) (फ़ूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी/डेरी टेक्नोलॉजी विभाग) सैम हिग्गिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज)

शब्द पहेली - 8201

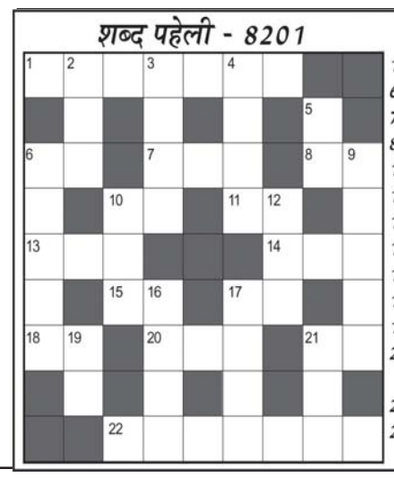

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

**ऊपर से नीच

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से आया है। अदाणी समूह के साथ ही एचडीएफ़सी बैंक के शेयर में तेजी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.29 फीसदी करीब 230.02 अंक बढ़कर 80,234.08 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.33 फीसदी तकरीबन 80.40 अंक की बढ़त के साथ ही 24,274.90 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 25 शेयरों में गिरावट रही।

आज सेंसेक्स की 30 कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे ज्यादा 6 फीसदी से अधिक बढ़ा। इसके अलावा एनटीपीसी, एचडीएफ़सी बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व के शेयर मुख्य रुप से लाभ में रहे।

वहीं दूसरी ओर टाइटन का शेयर 0.77 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, स्टेट बैंक, सनफार्मा, एशियन पेंट्स, टीसीएस, एचसीएल टेक के शेयर भी नीचे आये।

अदाणी समूह के शेयरों में आयी तेजी से भी बाजार उछला। इसके अलावा एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों में तेजी ने भी शेयर मार्केट को बल मिला।

उर्जा, , मीडिया, धातु और वित्तीय सेवाओं के शेयरों में 0.52 फीसदी और 1.45 फीसदी के बीच बढ़त हुई। जबकि फार्मा, रियल्टी और आईटी प्रमुख नुकसान में रहे। इंडिया वीआईएक्स 4.44फीसदी नीचे आकर 14.6250 हो गया, ये बाजार की अस्थिरता में गिरावट का संकेत है। यह निवेशकों के बेहतर विश्वास और कम समय के लिए अधिक स्थिर कारोबारिक माहौल को दिखाता है।

अदाणी समूह की लिस्टेड सभी कंपनियों के शेयर में अच्छी बढ़त रही। बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 10.00 फीसदी, अदाणी पावर का 19.66 फीसदी, अदाणी टोटल गैस का 19.76 फीसदी, अदाणी ग्रीन एनर्जी का 10.00 फीसदी और अदाणी एंटरप्राइजेज का 11.56 फीसदी बढ़ा। अदाणी विल्मर में 8.46 फीसदी, अंबुजा सीमेंट्स में 4.40 फीसदी, अदाणी पोर्ट्स में 6.29 फीसदी, सांघी इंडस्ट्रीज में 4.73 फीसदी और एसीसी में 1.37 फीसदी की तेजी आई।

इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई।

आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी गिरावट में गिरावट दर्ज की गयी। सेंसेक्स ने 117 अंकों (0.2 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 80,121 पर कारोबार की शुरुआत की पर कुछ देर में ही ये नीचे आने लगा और 79,879 के निचले स्तर तक पहुंच गया, जो शुरुआती स्तर से 100 अंक से ज्यादा की गिरावट दिखा रहा है। वहीं निफ्टी भी फिसलकर 50 24,170 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

आज सुबह एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखा गया जबकि गत दिवस अमेरिकी शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। नये राष्ट्रपति के लिए निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन और पड़ोसी देशों पर अधिक टैरिफ लगाने की चेतावनी से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। शुरुआती कारोबार में, एशिया-प्रशांत बाजार में एएसएक्स 200 में 0.4 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी है वहीं दूसरी ओर, निक्केई 0.5 फीसदी नीचे आया। कोस्पी में भी शुरुआती कारोबार में 0.1 फीसदी की गिरावट रही।

ओला के फाउंडर अग्रवाल का एक निर्णय.....और शेयर हो गया रॉकेट

मुंबई (ईएमएस)। ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल बुधवार को बहुत खुश हुए। उनके एक डिसीजन से उनकी कंपनी के शेयर में आई बंपर तेजी ला दी। बुधवार को ओला इलेक्ट्रिक के शेयर खूब तेजी से दौड़ रहे हैं। इनके फर्राटे का अंदाजा इससे लग सकता है कि दोपहर दो बजकर 5 मिनट पर इनमें 20 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इस तेजी के साथ इसकी कीमत फिर से इश्यू प्राइस से ज्यादा हो गई है। इसका इश्यू प्राइस 76 रुपये था। पिछले दो दिन में ओला के शेयर में 26 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल आ चुका है।

कंपनी ने मंगलवार को इलेक्ट्रिक स्कूटर की दो नई रेंज लांच करने की घोषणा की थी। इनके ओला गिग और ओला एस1 जेड शामिल हैं। इनकी शुरुआती कीमत 39,999 रुपये है। ये ओला के अब तक के सबसे सस्ते स्कूटर हैं। इन स्कूटर की डिलीवरी अप्रैल 2025 से शुरू होगी। इसमें गिग रेंज ऑनलाइन सामान डिलीवरी करने वाले कर्मचारियों के लिए है।

कंपनी की घोषणा के बाद शेयरों में उछाल आना शुरू हो गया। मंगलवार को शेयरों में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। जो कि बुधवार को भी जारी रही। कंपनी ने इन नए स्कूटरों की घोषणा तब की हैं, जब कंपनी पुराने स्कूटरों में आ रही शिकायतों को लेकर कस्टमर्स के साथ केंद्र सरकार के भी निशाने पर है।

ओला का आईपीओ 9 अगस्त 2024 को शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ था। इसकी लिस्टिंग बहुत अच्छी नहीं थी और इश्यू प्राइस 76 रुपये के करीब ही लिस्ट हुआ था। लेकिन इसके बाद शेयर को पंख लगे थे। देखते ही देखते यह तेजी से बढ़ने लगा। कुछ ही दिनों में यह 157.53 रुपये पर आ गया था। लेकिन इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी थी। लेकिन अब इसमें पिछले दो दिनों से तेजी जारी है। इन दो दिनों में इसका शेयर अभी तक 26 फीसदी से ज्यादा उछल चुका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी इस कंपनी की इलेक्ट्रिक स्कूटर के मार्केट में बड़ी हिस्सेदारी है। कंपनी जल्द ही इलेक्ट्रिक बाइक भी लांच करेगी। इसके बाद इसके शेयरों में आने वाले समय में और तेजी देखने को मिल सकती है। ओला के स्कूटरों को लेकर हाल ही में काफी विवाद रहे हैं। सबसे ज्यादा विवाद खराब सर्विस पर है। ऐसी कई रिपोर्ट आई हैं जिनमें कहा गया है कि स्कूटर में कमी आने के बाद सर्विस सेंटर पर इसे सही करवाने में कई महीने लग गए।

भारत का रियल एस्टेट बाजार 2047 तक बढ़कर 4.8 ट्रिलियन डॉलर का होगा

सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों के कारण रियल एस्टेट बाजार के लिए मौके

मुंबई (ईएमएस)। भारत का रियल एस्टेट बाजार 2047 तक बढ़कर 4.8 ट्रिलियन डॉलर का होगा। इसकी भागीदारी 2047 की अनुमानित जीडीपी 26 ट्रिलियन डॉलर में 18 प्रतिशत से अधिक होगी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में उम्मीद जाहिर की गई है कि प्रॉपटेक 2047 तक निरंतर दर से बढ़कर 600 अरब डॉलर के बाजार आकार को छू लेगा, यह पूरे रियल एस्टेट कारोबार का करीब 12-13 प्रतिशत होगा। वर्तमान में प्रॉपटेक की हिस्सेदारी 300 अरब डॉलर के रियल एस्टेट क्षेत्र में 5 प्रतिशत से भी कम है। रिपोर्ट में इस पर जोर दिया गया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम) जैसे इनोवेशन ऑपरेशन में क्रांति और दक्षता ला रहे हैं और रियल एस्टेट वैल्यू चेन में पारदर्शिता सुनिश्चित कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि यह बदलाव 2047 तक भारत की अनुमानित 26 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी का समर्थन करेगा है, जिसमें रियल एस्टेट क्षेत्र का योगदान 18 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है, जो वर्तमान में 7 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 7.7 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देकर रियल एस्टेट सेक्टर भारत का एक प्रमुख आर्थिक स्तंभ रहा है और अगले दशक में तेजी से बढ़ने वाला है। रिपोर्ट में बताया गया कि नेशनल इंफ्रास्टचर पाइपलाइन (एनआईपी) और पीएम गति शक्ति सहित मैक्रो-स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर पहल सेक्टर के विकास से निकटता से जुड़ी हुई हैं। एनआईपी का लक्ष्य अगले दशक में परिवहन, ऊर्जा, संचार और सामाजिक बुनियादी ढांचे में 1.4 ट्रिलियन डॉलर के निवेश का है। रिपोर्ट के अनुसार, सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों और बंदरगाहों तक फैली परियोजनाएं रियल एस्टेट बाजारों में मौके बना रही हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि इंदौर, सूरत, जयपुर, चंडीगढ़, सेलम, भोपाल, विशाखापत्तनम और आगरा जैसे टियर 2 और टियर 3 शहर नए रियल एस्टेट निवेश केंद्र के रुप में सामने आ रहे हैं। इन्हीं मांग में इजाफा होने के कारण इनके बढ़ने की उम्मीद है।

अडानी पर लगे रिश्वत के आरोप गलत, खबर सुनते ही शेयरों में आया उछाल

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने शेयर मार्केट को दी जानकारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के सबसे बड़े उद्योगपति गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी पर रिश्वतखोरी के मामले में अमेरिका के विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के उल्लंघन का कोई आरोप नहीं लगाया गया है। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बुधवार को जानकारी दी है। इसके खबर बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी आ गई। अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पावर, अडानी टोटल गैस, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अंबुजा सीमेंट्स, अडानी विल्मर, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन और एनडीटीवी के शेयरों में तेजी आई।

बता दें बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार से जुड़े समूह के संस्थापक चेयरमैन गौतम अडानी, सागर अडानी और प्रमुख कार्यकारी अधिकारी विनीत जैन पर अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि वे भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की साजिश का हिस्सा थे। यह रिश्वत सौर बिजली की आपूर्ति के लिए ठेका हासिल करने के लिए दी गई थी जिससे 20 साल की अवधि में दो अरब अमेरिकी डॉलर का मुनाफा होना था।

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया कि यह खबर गलत हैं जिनमें दावा किया गया है कि इन तीनों पर एफसीपीए उल्लंघन का आरोप लगा है। उन पर ऐसे अपराधों का आरोप लगाया गया है जिनके लिए आर्थिक जुर्माना या दंड का प्रावधान है। इसमें कहा गया कि इन निदेशकों पर आपराधिक अभियोग में तीन आरोप लगाए गए हैं। उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी का षडयंत्र रचना, वायर धोखाधड़ी का षडयंत्र रचना, और प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप है। अडानी समूह ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि वह अपने बचाव के लिए हर संभव कानूनी मदद लेगा।

अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने गौतम अडानी, सागर अडानी और विनीत जैन के खिलाफ न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले की अमेरिकी जिला अदालत में एक आपराधिक अभियोग दायर किया है। कंपनी ने कहा कि अभियोग में किसी भी जुर्माने को निर्दिष्ट नहीं किया गया है। इसमें कहा गया है कि सिविल शिकायत के आरोप के मुताबिक अधिकारियों ने कुछ धाराओं का उल्लंघन किया, अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को इन अधिनियमों का उल्लंघन करने में मदद की और बढ़ावा दिया। कंपनी के मुताबिक शिकायत में प्रतिवादियों को सिविल मौद्रिक दंड का भुगतान करने का निर्देश देने के लिए आदेश देने का अनुरोध किया है, लेकिन इसमें जुर्माने की राशि कितनी हो, इसके बारे में कुछ नहीं कहा गया है।

भारत में ब्रॉडबैंड और 5जी नेटवर्क का हो रहा विस्तार, निकलेंगी एक लाख नौकरियां

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टीमलीज सर्विसेज के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर ने कहा कि भारत में ब्रॉडबैंड और 5जी नेटवर्क के तेज़ी से विस्तार के कारण अगले पांच सालों में फाइबर इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस और रिपेयर सेक्टर में करीब एक लाख नई नौकरियां निकलेंगी। भारत का टेलीकॉम बाजार 2024 में 48.61 बिलियन अमेरिकी डॉलर का होने का अनुमान है और यह 2029 तक बढ़कर 76.16 बिलियन डॉलर तक पहुँच सकता है, जो हर साल 9.40 फीसदी की दर से बढ़ेगा। 2023 तक देश में करीब 7,00,000 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाए गए हैं, जिससे डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार में अहम योगदान मिला है।

उन्होंने बताया कि भारत में ब्रॉडबैंड और 5जी नेटवर्क के तेजी से विस्तार के कारण फाइबर ऑप्टिक तकनीशियनों की मांग में वृद्धि हुई है। जैसे-जैसे सरकार और टेलीकॉम ऑपरेटर फाइबर इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर ध्यान देंगे, इस क्षेत्र में रोजगार की मांग भी बढ़ेगी। भारत में टेलीकॉम टावरों का फाइबराइजेशन बढ़ने से करीब एक लाख नई नौकरी पैदा होने की संभावना है। वर्तमान में भारत में पांच लाख से ज्यादा फाइबर तकनीशियनों का अनुमान है, जो 4जी, 5जी और ब्रॉडबैंड योजनाओं को सपोर्ट करने के लिए तेजी से बढ़ते फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क के विस्तार में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि 2030 तक 5जी तकनीक अपने चरम पर पहुंचेगी, जिससे तेज़ इंटरनेट स्पीड, कम लेटेंसी और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। फाइबर तकनीशियनों की भर्ती हो रही है, विशेषकर शहरी और ग्रामीण इलाकों में। हालांकि, फाइबर तकनीशियनों की टर्नओवर दर काफी ज्यादा है, जो सालाना 35-40 फीसदी तक पहुंचती है। इसके कारणों में लंबी कार्य घंटों के कारण थकावट, वेतन वृद्धि की कमी, और कंपनियों के बीच कर्मचारियों की पोलिंग शामिल हैं। भारत में डिजिटल और टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के साथ फाइबर तकनीशियनों के लिए नौकरी के अवसरों में इज़ाफा होगा। हालांकि, उच्च टर्नओवर और वेतन वृद्धि की समस्या के कारण कर्मचारियों को बनाए रखना एक चुनौती बन सकता है।

अमेरिकी मिसाइल से यूक्रेनी सेना ने तबाह किया एस-400, पुतिन के लिए बड़ा झटका

मास्को (ईएमएस)। यूक्रेन की सेना ने रूस को बड़ा झटका देकर उसके सबसे अत्याधुनिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 को बर्बाद कर दिया है। इतना ही नहीं यूक्रेन की सफलता को खुद रूस की सेना ने भी माना है जो अपने आप में दुर्लभ है। यूक्रेनी सेना ने हमले के लिए अमेरिका से मिली एटीएसीएमएस मिसाइलों का इस्तेमाल किया जो लंबी दूरी तक तबाही मचाने में सक्षम हैं। रूस ने कहा है कि कुर्स्क इलाके में हुए यूक्रेनी हमले में एक एयर डिफेंस सिस्टम और एक एयर बेस को नुकसान पहुंचा है। रूस ने धमकी दी है कि वह इस हमले का करारा जवाब देगा। इससे पहले यूक्रेन ने दावा किया था कि उसने रूसी इलाके में सफल हमला किया है।

रूस अपने एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को अब तक अजेय बताता रहा है, लेकिन यूक्रेनी हमले में उसके दावे की पोल खुल गई है। बताया जा रहा है कि यूक्रेन ने कुर्स्क के उत्तर पश्चिम में स्थित लोटारेवका इलाके में एस-400 मिसाइल सिस्टम को निशाना बनाया। इस काफी गंभीर कदम करार दिया जा रहा है। एस-400 रूस के लिए ठीक उसी तरह से है जैसे अमेरिका के लिए पेट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 5 में से 3 अमेरिकी मिसाइलों को मार गिराया गया लेकिन दो मिसाइलें एयर बेस को हिट करने में सफल रहीं। इससे एस 400 के रेडॉर को काफी नुकसान पहुंचा है और सैनिक भी मारे गए हैं। इस बीच रूस ने जवाब में यूक्रेन पर रात भर में 188 लड़ाकू ड्रोन भेज दिए। दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से यह रूस का सबसे बड़ा ड्रोन हमला है।

यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि ड्रोन के अलावा, रूस ने चार इस्कैंडर-एम बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं। बयान में कहा गया है कि यूक्रेनी वायु रक्षा सिस्टम ने 17 क्षेत्रों में 76 ड्रोन मार गिराए, जबकि 96 अन्य से संपर्क टूट गया। बयान में कहा गया है कि पांच ड्रोन कथित तौर पर बेलारूस के साथ यूक्रेन की सीमा पार कर गए। वायु सेना ने कहा कि हमले में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और निजी आवासों को नुकसान पहुंचा है।

पुतिन के गुस्से से सहमें अमेरिका व यूरोप, जंग की तैयारी शुरू

वाशिंगटन (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन लगातार रूस पर ब्रिटेन और अमेरिका की मिसाइलों से हमला कर रहा है। वहीं रूसी राष्ट्रपति पुतिन पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर नाटो देशों के हथियारों से रूस पर हमला हुआ तो यह माना जाएगा कि नाटो इस जंग में सीधे तौर पर शामिल हो चुका है। यूरोप और अमेरिका पुतिन के गुस्से से दहशत में हैं कि पुतिन कभी भी बड़ा हमला कर सकते हैं। ऐसे में पुतिन के गुस्से की चपेट में सबसे पहले यूरोप आ सकता है। जंग का दायरा बढ़ा तो आंच जर्मनी तक आने में देर नहीं लगेगी। यही वजह है कि जर्मनी तीसरे विश्व युद्ध की आशंका के बीच अपने नागरिकों की सुरक्षा को मजबूत करने की कोशिश में जुट गया है। ऐसे में इस युद्ध का दायरा बढ़ने की आशंका है, यही वजह है कि नाटो देश अब जंग की तैयारी में जुट गए हैं। क्या रूस यूक्रेन के बाद अब यूरोपीय देशों खासतौर पर नाटो के सदस्य देशों पर भी हमला करेगा? दरअसल यूक्रेन को मिल रही पश्चिमी देशों की मदद से रूस-यूक्रेन युद्ध का दायरा और बढ़ने की आशंका है। लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच नाटो देश ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। नाटो सदस्य जर्मनी ने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए नए बंकर बनाने का प्लान तैयार किया है। इस प्लान के तहत जर्मनी सार्वजनिक और निजी इमारतों को बंकर में तब्दील करने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत इन इमारतों के बेसमेंट, अंडरग्राउंड पार्किंग और मेट्रो स्टेशनों को नागरिकों के लिए सुरक्षित शेल्टर में बदला जाएगा। दरअसल रूस ने हाल ही में अपनी परमाणु नीति में बदलाव करते हुए साफ कर दिया है कि अगर नाटो देश की मिसाइल से उस पर हमला हुआ तो वह इसे पूरे संगठन का हमला मानेगा। साथ ही नई परमाणु नीति के अनुसार, रूस पर परमाणु शक्ति से संपन्न किसी देश के समर्थन से हमला होता है तो रूस ऐसी स्थिति में न्यूक्लियर हमले पर विचार कर सकता है।

यूक्रेन को न्यूक्लियर बम ट्रांसफर करने पर विचार कर रहा अमेरिका

अमेरिकी मीडिया ने तो ये भी दावा किया है कि बाइडेन प्रशासन यूक्रेन को न्यूक्लियर बम ट्रांसफर करने पर भी गंभीरता से विचार कर रहा है। वहीं रूस ने साफ कर दिया है कि अगर यूक्रेन के सहयोगियों ने रेड लाइन पार की तो वह परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर विचार कर सकता है। जर्मनी के गृह मंत्रालय ने बताया है कि यह प्लान क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा खतरों को देखते हुए बनाया गया है। जर्मन सरकार इन बंकरों के साथ-साथ एक मोबाइल एप भी तैयार करेगी जो लोगों को आपात स्थिति में नजदीकी बंकर का पता बताएगा। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से तैयारी करने वाला जर्मनी अकेला नाटो देश नहीं है, अमेरिका में भी इस खतरे की आशंका को देखते हुए लोगों को आगाह किया जा रहा है। अमेरिकी सरकार ने न्यूक्लियर अटैक की स्थिति में नागरिकों को क्या करना चाहिए इससे जुड़ी एक सर्वाइवल गाइड जारी की है। अमेरिका की फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी की ओर से जारी की गई इस निर्देशिका में कहा गया है कि न्यूक्लियर अटैक की स्थिति में किसी सुरक्षित ठिकाने तक पहुंचने के लिए नागरिकों के पास अधिकतम 15 मिनट का समय होगा।

सीजफायर के बाद घर लौटने लगे लेबनानवासी

हिजबुल्लाह का झंडा-नसरल्लाह की तस्वीरें थामे दिखे, 2 महीने पहले भागना पड़ा था

तेल अवीव(ईएमएस)। लेबनान-इजराइल के बीच बुधवार को सीजफायर शुरू होने के कुछ ही घंटे बाद उत्तरी लेबनान से लोग दक्षिणी लेबनान में लौटने लगे हैं। 23 सितंबर को इजराइल के घातक मिसाइल हमले के बाद हजारों परिवार घर छोड़कर दक्षिणी लेबनान में शरण लेने चले गए थे। बुधवार सुबह बेरूत में सैकड़ों लोग बाइक और गाड़ियों से सिडोन, गाजियेह और टायर शहर की तरफ लौटते दिखे। लोग हिजबुल्लाह के झंडे और मारे गए नेता नसरल्लाह की तस्वीरें साथ लेकर शहर लौट रहे थे।

लेबनान की सेना ने लोगों को चेतावनी दी है कि वे इजराइली सेना के वापस हटने तक घर न लौटें। सेना ने उन इलाके में लोगों को लोगों को जाने से बचने को कहा है, जहां पर अभी भी इजराइली सेना हैं। इससे पहले इजराइली सेना ने भी लेबनानी नागरिकों को सुरक्षा के मद्देनजर घर न लौटने की सलाह दी थी। हालांकि दोनों देशों की सेनाओं की अपील के बावजूद लोगों पर इसका असर नहीं दिख रहा है।

हमास भी जंग रोकने को तैयार

लेबनान में सीजफायर को लेकर हमास के एक बड़े अधिकारी ने कहा कि वे भी गाजा में इसके लिए तैयार हैं। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने सीजफायर के लिए मिस्र, तुर्की और कतर से बात की है। वे कैदियों की अदला-बदली के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि अगर इजराइल चाहता तो पहले ही सीजफायर हो सकता था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम इजराइल और लेबनान के बीच सीजफायर का स्वागत करते हैं। हमने हमेशा तनाव कम करने, संयम बरतने और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने की अपील की है। हमें उम्मीद है कि इससे इलाके में शांति और स्थिरता आएगी।

60 दिन का सीजफायर मंजूर

इजराइल की वॉर कैबिनेट ने लेबनान में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 60 दिन के लिए सीजफायर डील को मंजूरी दी। इसे लेकर मंगलवार देर रात कैबिनेट की मीटिंग हुई थी। इसे 10-1 से मंजूरी मिल गई। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही सीजफायर के प्लान को मंजूरी दे चुके थे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस सीजफायर को अच्छी खबर बताया है। उन्होंने कहा कि सीजफायर के लिए उन्होंने नेतन्याहू और लेबनान के पीएम नजीब मिकाती से बात की है। दोनों देशों के बीच बुधवार सुबह 4 बजे जंग रुक गई। बाइडेन ने कहा कि सीजफायर का मतलब जंग को हमेशा के लिए खत्म करना है। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना कब्जे वाले इलाके को लेबनानी सेना को सौंपेगी और वहां से हटेगी, ताकि हिजबुल्लाह वहां कब्जा न जमा ले। 60 दिन के भीतर यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। बाइडेन ने यह भी कहा कि अगर हिजबुल्लाह या कोई और समझौते का उल्लंघन करता है और इजराइल के लिए खतरा पैदा करता है, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, इजराइल को आत्मरक्षा करने का अधिकार होगा। वहीं, नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्लाह समझौते का उल्लंघन करता है तो हम फिर से हमला करेंगे।

ताइवान के एयरस्पेस में घुसे चीनी विमान

-अमेरिकी विमानों की निगरानी के लिए भी चीन ने जहाज तैनात किए

ताईवान(ईएमएस)। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि चीन उसकी सीमा के आस-पास सैन्य गतिविधियां बढ़ा रहा है। बुधवार सुबह चीन के करीब 17 विमान और 7 जहाज ताइवान की सीमा के पास पहुंचे। इनमें से 10 विमानों ने ताइवान के एयरस्पेस में घुसपैठ भी की है।

चीन ने पिछले कई दिनों में ताइवान की सीमा में घुसपैठ बढ़ाई है। इससे पहले मंगलवार को भी चीन के 5 विमान और 7 जहाजों को ताइवान सीमा के पास देखा गया था। इनमें से 4 विमान ताइवान के एयरस्पेस में घुसे थे। वहीं सोमवार को भी चीन के 12 विमानों और 7 जहाजों ने ताइवान की सीमा को पार किया था। चीन की तरफ से लगातार हो रही घुसपैठ के चलते ताइवान ने सुरक्षा को कड़ी करने का फैसला किया है। इसके लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

अमेरिकी विमानों की निगरानी कर रहा चीन

चीन ने अमेरिकी नौसेना के विमानों की निगरानी के लिए अपने सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों को तैनात किया है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े के पी-8ए पोसीडॉन विमान ने चीन और ताइवान के बीच समुद्री रास्ते से उड़ान भरी थी। चीन ने अमेरिका के इस कदम की आलोचना करते हुए इस क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा बताया था। वहीं अमेरिका ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक गश्ती करने के लिए सही ठहराया था। चीन और ताइवान के बीच जारी विवाद में अमेरिका, ताइवान के लिए हथियारों का सबसे बड़ा मददगार है।

पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने माना, बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति खराब

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। इस्कॉन के हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अब पूर्व शेख हसीना सरकार के विदेश मंत्री हसन महमूद ने यूनुस सरकार के फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति खराब है। हसन महमूद ने कहा कि कट्टरपंथियों और आतंकी ताकतों को बढ़ावा देना और भारत विरोधी बयानबाजी को बढ़ावा देना यूनुस सरकार की रणनीति है। इसने बांग्लादेश को पूर्ण अराजकता की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार लोकतंत्र की जगह भीड़तंत्र को प्रश्रय दे रही है। बता दें कि शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद हसन महमूद बांग्लादेश छोड़कर भाग गए थे और वह अज्ञात स्थान में छिपे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निष्कासन के बाद से बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी सहित कई चरमपंथी समूह देश में काफी एक्टिव हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वहां अल्पसंख्यक विरोधी भावना प्रबल हो रही है और धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रही है। इस बीच बांग्लादेश के चटगांव में सुरक्षाकर्मियों और चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी के अनुयायियों के बीच झड़प हुई। इस झड़प में एक सहायक सरकारी वकील की हत्या कर दी गई। इस हत्या के आरोप में पुलिस ने 30 लोगों को हिरासत में लिया है। इसी बीच महमूद ने उम्मीद जताई कि अमेरिका में नया ट्रम्प प्रशासन बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और सभी दलों के लिए जल्द से जल्द समान अवसर के लिए जोर देगा। उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक बांग्लादेश ही क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा में योगदान दे सकता है।

नाइजीरिया में प्रेग्नेंसी स्कैम का भांडाफोड

फेक प्रेग्नेंसी और चाइल्ड ट्रैफकिंग से महिलाओं को लूटा, एक साल चले अंडरकवर ऑपरेशन से खुलासा

अबुजा(ईएमएस)। अफ्रीकी देश नाइजीरिया में अनाम्ब्रा स्टेट में फेक प्रेग्नेंसी स्कैम का खुलासा हुआ है। यहां कुछ फर्जी डॉक्टर फेक प्रेग्नेंसी और चाइल्ड ट्रैफकिंग के जरिए महिलाओं को निशाना बनाते हैं। इसके लिए महिलाओं को पहले फेक प्रेग्नेंसी रिपोर्ट दिखाई जाती और फिर उन्हें किसी और का बच्चा थमा दिया जाता। इसके एवज में इलाज के नाम पर मोटी रकम ऐंठी जाती।

ठगों ने इस स्कैम के लिए सोशल मीडिया का भी जमकर इस्तेमाल किया। एक साल तक अंडरकवर ऑपरेशन चलाकर इस इस स्कैम को उजागर किया गया।

महिलाओं पर बच्चा पैदा करने का सामाजिक दबाव

नाइजीरिया उन देशों की फेहरिस्त में शामिल है जहां, ज्यादा जन्म दर काफी उच्च है। यहां महिलाओं पर बच्चे को जन्म के लिए काफी ज्यादा दबाव रहता है। ऐसा नहीं कर पाने पर उनके साथ दोयम दर्जे के व्यवहार किया जाता है। इस वजह से कई महिलाएं बच्चे की चाह में इस तरह के स्कैम का शिकार हो जाती हैं। लेबर पेन के लिए उन्हें कुछ दवाएं दी जाती, और इसके लिए अलग से चार्ज किया जाता। दवाओं के असर में अक्सर महिलाएं बेहोश या अचेत हो जाती तो उन्हें सिजेरियन जैसा चीरा लगा दिया जाता। इससे उन्हें यकीन हो जाता कि वो मां बन चुकीं हैं। चिआनो नाम की महिला ने बताया कि वो लगातार 15 महीने प्रेग्नेंट थी, लेकिन बाद में पता चला उनके साथ ठगी की गई है। अस्ल में ठग डॉक्टर ने उन्हें कुछ इंजेक्शन लगाए गए थे, जिससे उनका पेट फूल गया था। इस वजह से उन्हें लगा कि वो प्रेग्नेंट हैं।

नाइजीरिया समेत कई देशों में बेबी फार्मिंग का धंधा

डायचे वेले की रिपोर्ट के मुताबिक, नाइजीरिया में चाइल्ड ट्रैफकिंग के लिए लंबे समय से बेबी फार्मिंग का गोरख धंधा चल रहा है। यहां कम उम्र की अफ्रीकी और विदेशी लड़कियों को यहां जबरन प्रेग्नेंट कर बच्चे पैदा किए जाते हैं। सिर्फ नाइजीरिया ही नहीं इंडोनेशिया समेत कई और देशों में भी बेबी फार्मिंग अस्पतालों और अनाथालायों जैसी जगहों में चोरी-छिपे की जाती है। यहां कम उम्र की लड़कियों को मां बनने के लिए मजबूर किया जाता है। इनमें से ज्यादातर अनाथ या गरीब होती हैं, इसलिए वो मजबूरी में इसके लिए राजी हो जाती हैं।

नाइजीरिया में हालात बेकाबू

नाइजीरिया में चोरी छिपे चल रहा बच्चा पैदा करने का व्यापार बेहद खतरनाक हो चुका है। यहां जन्म देने वाली लड़कियों की उम्र 14 से 17 साल होती है और वो चाहकर भी अबॉर्शन नहीं करा सकती, क्योंकि नाइजीरिया के कानून में इसकी इजाजत नहीं है। इसी बात का फायदा माफिया यानी बेबी फार्मर्स उठाते हैं और बच्चों को तीन से चार लाख रुपए में बेचते हैं। व

गुजरात सरकार ने नई कुटीर एवं ग्रामोद्योग नीति 2024 की घोषणा की

गांधीनगर (ईएमएस) राज्य के कुटीर उद्योग विभाग के मंत्री बलवंतसिंह राजपूत तथा राज्य मंत्री जगदीश पंचाल (विश्वकर्मा) की उपस्थिति में बुधवार को नई कुटीर एवं ग्रामोद्योग नीति 2024 की गांधीनगर से घोषणा की गई है। नई कुटीर एवं ग्रामोद्योग नीति 2024 का विजन स्थानीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में उन्नत बाजार हिस्से के साथ राज्य में एक गतिशील तथा आत्मनिर्भर कुटीर उद्योग क्षेत्र का निर्माण करना है और राज्य की लुप्त हो रही हस्तकलाओं का संरक्षण करना है। नई कुटीर एवं ग्रामोद्योग नीति 2024 राज्य में कुटीर उद्योग के इकोसिस्टम को मजबूत करके कुटीर क्षेत्र को टिकाऊ बनाने तथा लुप्त हो रही हस्तकला को पुनर्जीवित करने पर बल दिया जाएगा। सक्षम एवं अनुकूल वातावरण द्वारा गुजरात के हस्तकला, खादी एवं हथकरघा क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन देना और उसका संवर्द्धन करना तथा ऋण सहायता, मार्केट सहायता, इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधा का विकास, कौशल विकास, टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन एवं इनोवेशन की उपलब्धता द्वारा इस क्षेत्र में अवसरों को बढ़ाना इस नीति का मिशन है।

गुजरात सरकार द्वारा नई कुटीर एवं ग्रामोद्योग नीति 2024 अंतर्गत आगामी पाँच वर्षों के लिए निम्नानुसार लक्ष्य रखे गए हैं।

☐ राज्य में स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने तथा नए छोटे उद्योगों एवं व्यवसायों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार द्वारा वाजपेयी बैंकेबल योजना अंतर्गत अधिकतम ऋण राशि 8 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए तथा सब्सिडी राशि 1,25,000 रुपए से बढ़ाकर 3,75,000 रुपए की जाएगी। आगामी पाँच वर्षों में रोजगार के लगभग 3,30,000 प्रत्यक्ष एवं परोक्ष अवसरों का सृजन किया जाएगा।

☐ दत्तोपंत कारीगर ब्याज सहायता योजना अंतर्गत हथकरघा तथा हस्तकला के कारीगरों के लिए कार्यकारी पूंजी ऋण के रूप में देने की योजना के तहत अधिकतम ऋण राशि 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए की जाएगी।

☐ कुटीर एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र से जुड़े लाभार्थियों को संसाधन सहायता द्वारा प्रत्यक्ष/परोक्ष रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। आगामी पाँच वर्षों में 1,25,000 से अधिक लोगों को लाभ देने का लक्ष्य है।

☐ हर वर्ष कौशल विकास प्रशिक्षण के जरिये नए छोटे उद्यमी तैयार कर उनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। अगले पाँच वर्षों में 60,000 से अधिक को लाभ देने का लक्ष्य है।

☐ हथकरघा, हस्तकला तथा खादी क्षेत्र से जुड़े कारीगरों व मंडलियों सहित कुल लगभग 45,000 लाभार्थियों को इसके अंतर्गत लाया जाएगा।

☐ एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना अंतर्गत जिले के विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देकर लगभग 1,000 लाभार्थियों को शामिल करने का लक्ष्य है।

☐ प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल के मंत्र का अनुकरण कर गुजरात के सूरत में 280 करोड़ रुपए की लागत से 2.72 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में भव्य एवं विशाल पीएम एकता मॉल बनाने का कार्य शुरू हो गया है, जिसमें 33 जिलों के ओडीओपी उत्पादों के लिए, देश के 28 जिलों व 8 केन्द्र शासित प्रदेशों एवं सरकार के वन विभाग, खादी तथा ग्रामोद्योग आदि विभागों द्वारा 98 शोरूम बनाए जाने वाले हैं। पीएम एकता मॉल में कारीगरों के रहने की व्यवस्था के लिए डोरमैटरी, 1 रूम-किचन के फ्लैट्स तथा कॉमर्शियल स्थान (मल्टीप्लेक्स तथा गेम जोन के लिए जरूरत के अनुसार) जैसी सुविधा रहेगी।

☐ अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर लगभग 7,000 कारीगरों/उद्यमियों को शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

☐ आगामी पाँच वर्ष में कुटीर व ग्रामोद्योग क्षेत्र के लगभग 5000 छोटे उद्यमियों को बिक्री पर मुआवजा सहायता देकर उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में टिके रहने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

☐ प्रोत्साहनों तथा इंसेंटिव्स द्वारा हस्तकला व हथकरघा उत्पादों के निर्यात में वृद्धि की जाएगी। इसके लिए सरकार आगमी पाँच वर्षों में लगभग 2500 कारीगरों को निर्यात वृद्धि के लिए प्रोत्साहन देकर प्रयास करेगी।

☐ हथकरघा क्षेत्र में ब्रैंडिंग तथा हैंडलूम मार्क के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

☐ बोर्ड/निगम तथा सहकारी संस्थाओं से जुड़े कारीगर खादी, हथकरघा व हस्तकला के 460 करोड़ रुपए मूल्य के उत्पादों की बिक्री करते हैं, जिसे आगामी 5 वर्षों में चरणबद्ध ढंग से 1500 करोड़ रुपए तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा।

बीजेड ग्रुप पर सीआईडी क्राइम की बड़ी कार्रवाई, 6 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर गुजरात में एक बड़ा घोटाला सामने आया है सीआईडी क्राइम ने उत्तर गुजरात के साबरकांठा और अरावली में बड़े पैमाने पर पोंजी स्कीम चलाने वाले बीजेड ग्रुप पर बड़ी कार्यवाही करते हुए 6 हजार करोड़ रुपए के महाघोटाले का पर्दाफाश किया है बीजेड ग्रुप पर पोंजी स्कीम के जरिए 6 हजार करोड़ का घोटाला करने का आरोप है इन आरोपों के बाद बीजेड ग्रुप के सीईओ भूपेन्द्र सिंह झाला भूमिगत हो गया है खास बात ये सामने आई है कि भूपेन्द्र सिंह झाला भाजपा का सदस्य है और सोशल मीडिया पर भूपेन्द्रसिंह झाला की भाजपा के बड़े नेताओं के साथ तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं जानकारी के मुताबिक उत्तर गुजरात के सबसे बड़े घोटाले को अंजाम देनेवाले बीजेड ग्रुप पर सीआईडी क्राइम टीम ने बड़ी कार्रवाई की है सीआईडी की अलग-अलग टीमों ने बीजेड ग्रुप के एजेंटों के दफ्तरों पर एक साथ छापेमारी की छापेमारी के दौरान बीजेड ग्रुप के दफ्तरों से सीआईडी जांच के दौरान भारी मात्रा में कंप्यूटर, लैपटॉप, कैश वाउचर और कई दस्तावेज मिले थे ऑपरेशन के दौरान सीआईडी क्राइम ने हेड ऑफिस से कुल 16.37 लाख नकद, 11 मोबाइल, 338 फॉर्म, दो लैपटॉप, 4 प्रिंटर, 2 सीपीयू, विभिन्न रबर स्टांप, पैन कार्ड और हस्ताक्षरित चेक बुक सहित सबूत जब्त किए हैं। कथित तौर पर कंपनी बड़े पैमाने पर पोंजी स्कीम चला रही थी इन योजनाओं में कई लोगों का पैसा लगा था आरोप है कि कंपनी ने रुपये पर अधिक रिटर्न देने का लालच देकर 6 हजार करोड़ का घोटाला किया है जानकारी के मुताबिक, बीजेड ग्रुप के एजेंटों ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्यालय खोले और लोगों को पोंजी योजनाओं में निवेश करने के लिए अधिक ब्याज का लालच दिया। इस तरह बीजेड ग्रुप के अलग-अलग दफ्तरों के जरिए निवेशकों से करीब 6 हजार करोड़ रुपये की अवैध उगाही की कंपनी द्वारा निवेशकों को 5 प्रतिशत मासिक रिटर्न का लालच दिया गया था। इस मामले में भूपेन्द्र पर्वतसिंह झाला को मुख्य आरोपी घोषित किया गया है फिलहाल बैंक के जरिए 175 करोड़ के वित्तीय लेनदेन की जानकारी मिली है और 6 हजार करोड़ से ज्यादा के असत्यापित इनपुट भी सामने आए हैं सीआईडी क्राइम ने जनता से अपील की है कि लोग ऐसी योजनाओं के प्रति सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें

हेरिटेज साइट लोथल में जमीन धंसने से पीएचडी छात्रा की मौत, सैंपल लेते वक्त हुआ हादसा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात की हेरिटेज साइट लोथल में एक बड़ी दुर्घटना हुई है अहमदाबाद जिले के धोलका स्थित लोथल में मिट्टी का नमूना लेने के लिए सहायक प्रोफेसर और पीएचडी शोधकर्ता करीब 15 फूट गहरे गड्ढे में उतरे थे जहां अचानक जमीन धंसने से दोनों महिलाएं मिट्टी के नीचे दब गईं इस घटना में पीएचडी शोधकर्ता की मौत हो गई जबकि सहायक प्रोफेसर को बचा लिया गया है यह घटना अहमदाबाद जिले के धोलका में हड़प्पा संस्कृति के स्थल लोथल में हुई है। गांधीनगर और दिल्ली से चार से अधिक अधिकारी सरकारी वाहन से लोथल पहुंचे। लोथल में दो महिला मिट्टी का सैंपल लेने के लिए 15 फूट गहरे गड्ढे में उतरी थीं उस दौरान अचानक जमीन धंसने से एक सहायक प्रोफेसर और एक पीएचडी की छात्रा मिट्टी के नीचे दब गईं हादसे के बाद वहां अफरातफरी मच गई इस घटना में पीएचडी छात्रा सुरभी वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई है जबकि गहरे गड्ढे में मिट्टी के नीचे दबी सहायक प्रोफेसर यामा दीक्षित को बचाकर बाहर निकाल लिया गया और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना भूवैज्ञानिक नमूने लेने के दौरान हुई जानकारी के मुताबिक दिल्ली से असिस्टेंट प्रोफेसर यामा दीक्षित और पीएचडी छात्रा सुरभी वर्मा सैंपल के लिए आए थे। वे पिछले तीन दिनों से अलग-अलग इलाकों से सैंपल इकट्ठा कर रहे थे आज सुबह लोथल क्षेत्र में मिट्टी के सैंपल लेने के दौरान चट्टान अचानक गिर गई और दोनों मिट्टी के नीचे दब गए अहमदाबाद जिले के धोलका स्थित लोथल में दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री संग्रहालय बनाया जाएगा। लोथल में दुनिया के सबसे ऊंचे लाइट हाउस और अंडरवाटर म्यूजियम की 4500 करोड़ की परियोजना निर्माणाधीन है। जो न केवल भारत की समृद्ध और विविध समुद्री विरासत बल्कि देश के मजबूत समुद्री इतिहास और जीवंत तटीय परंपरा को भी प्रदर्शित करेगा। इस परियोजना से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। साथ ही गुजरात के पर्यटन का भी विकास होगा लोथल में 4,500 करोड़ की लागत से नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा पूरा प्रोजेक्ट भारत के 5000 साल पुराने इतिहास को दिखाएगा। इससे दुनिया को समुद्री इतिहास जानने में मदद मिलेगी, जिससे पता चलेगा कि 5000 साल पहले भारत में समुद्री व्यापार कैसे होता था। 5000 साल पुराना लोथल बनाया जाएगा, जब लोग आएंगे तो 3 दिन में पूरा परिसर देखेंगे यहां आने वाले सभी लोगों के लिए खास बात यह होगी कि उन्हें 5000 साल पुराने कपड़े पहनने होंगे। साथ ही उस समय चलन के सिक्कों और रुपयों का ही उपयोग करना होगा।

बर्फीली हवाएं गुजरात में बढ़ाएंगी ठंड, तापमान 15 डिग्री के नीचे जाने का अनुमान

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में देर से ही सही अब दिन-ब-दिन ठंड बढ़ती जा रही है मौसम विभाग ने कल से गुजरात में ठंड बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है जिसमें गुरुवार से कड़ाके की ठंड पड़ेगी और पारा 15 डिग्री या उससे नीचे लुढ़क सकता है मौसम विभाग के मुताबिक हिमालय से आने वाली ठंडी बर्फीली हवाओं के असर से अहमदाबाद में ठंड बढ़ेगी जिसमें तापमान कम होने से ठंड का प्रकोप बढ़ेगा अहमदाबाद में ठंड के मौसम में मंगलवार को पारा 15.9 डिग्री तक पहुंच गया मौसम विभाग ने गुरुवार से तापमान 15 डिग्री के आसपास पहुंचने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक ठंडी हवा के प्रभाव के कारण मंगलवार को अहमदाबाद का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री दर्ज किया गया दिन में ठंडी हवा चलती रही। 28 नवंबर से ठंड का पारा 1 डिग्री गिरकर 15 डिग्री या उससे नीचे रहने की संभावना है मौसम विभाग ने आगामी दिनों के दौरान शहर में ठंड का जोर जारी रहने की संभावना जताई है

एमडी ड्रग्स के साथ राजस्थान मूल का शख्स गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर में फिर एक बार एमडी ड्रग्स पकड़ी गई है अहमदाबाद पुलिस ने पौने पांच लाख कीमत के एमडी ड्रग्स के साथ राजस्थान मूल के एक शख्स को गिरफ्तार किया है दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि राजस्थान से ड्रग्स लेकर एक शख्स अहमदाबाद आया हुआ है सूचना के आधार पर अहमदाबाद पुलिस ने शहर के वासणा क्षेत्र से 24 वर्षीय नरेश बिश्नोई नामक शख्स को गिरफ्तार कर लिया राजस्थान के जालोर के मूल निवासी नरेश बिश्नोई के पास से पुलिस ने रु. 4.69 लाख कीमत के 46.940 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया है गिरफ्तार आरोपी नरेश बिश्नोई ने पूछताछ में बताया कि रमेश जाट नामक शख्स ने उसे ड्रग्स दिया था फिलहाल पुलिस ने इस दिशा में जांच शुरू कर दी है कि आरोपी नरेश बिश्नोई अहमदाबाद में ड्रग्स किसे पहुंचानेवाला था और इससे पहले भी उसने ड्रग्स सप्लाय किया है या नहीं? अगर किया है तो किन किन क्षेत्रों में सप्लाय किया है? पुलिस की जांच में यह भी पता चला कि बनासकांठा जिले के थराद में भी नरेश बिश्नोई के खिलाफ प्रोहिबिशन के तहत दो मामले दर्ज हैं और उसमें वह फरार चल रहा था

गुजरात में 24 घंटे में रेप की 4 घटनाएं

गुजरात : महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षित कहे जाने वाले गुजरात में एक ही दिन में रेप की चार घटनाएं सामने आई हैं। गुजरात में एक ही दिन में अहमदाबाद, अमरेली और भावनगर से रेप की घटनाएं सामने आई हैं. ये चार घटनाएं अहमदाबाद के वासना, अहमदाबाद के साबरमती इलाके, अमरेली के वाडिया और भावनगर के वर्तेज गांव में हुईं. इन घटनाओं में एक युवती, दो नाबालिग और एक मासूम बच्ची शिकार हुई है.

अमरेली में गैंग रेप

अमरेली के वाडिया में 21 साल की लड़की से रेप किया गया. वाडिया के कुकावाव गांव में एक 21 वर्षीय लड़की को शादी का प्रलोभन देकर चार लोगों ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। लड़की ने पूरी घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराई है. पुलिस ने इस मामले में दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश कर रही है. पुलिस ने प्रीतेश असोदरिया, डाकू वेकारिया, अनिल देसाई और सोमा अलानी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

अहमदाबाद में 12 साल की बच्ची से रेप हुआ

अहमदाबाद के वासना इलाके में 12 साल की नाबालिग से रेप की घटना सामने आई है. आरोपी ने नाबालिग की मां से दोस्ती कर ली। वह दोस्ती के नाते समय-समय पर घर भी आता रहता था। इसी बीच उसकी नजर अपने दोस्त की 12 साल की बेटी पर पड़ी. नाबालिग के अकेले होने का पता चलने पर आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। हालांकि, जब सगीरा ने इसकी जानकारी अपने पिता को दी तो पूरा मामला खुल गया। सगीरा के पिता ने थाने में मामला दर्ज कराया है. पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

अहमदाबाद में एक ही दिन में दो रेप के मामले

उधर, अहमदाबाद के साबरमती इलाके से भी रेप की घटना सामने आई जहां 14 साल की नाबालिग के साथ पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया. आरोपी ने नाबालिग को खाना बनाने के बहाने घर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया. आरोपी यहीं नहीं रुका और उसने नाबालिग को बदनाम किया और उसकी बहन को भी जान से मारने की धमकी दी. पूरे मामले को लेकर परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है. पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस पूरे मामले की आगे की जांच में जुट गई है.

भावनगर में एक पड़ोसी ने बच्ची से छेड़छाड़ की

भावनगर के वरतेज इलाके में एक बच्ची से दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पड़ोस में रहने वाले 21 साल के युवक ने चॉकलेट का लालच देकर चार-पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म किया। रेप के बाद लड़की की हालत गंभीर होने के कारण उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने पूरे मामले में पड़ोसी युवक के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है.

महत्वपूर्ण बात यह है कि अहमदाबाद पुलिस ने हाल ही में निर्भया प्रोजेक्ट के तहत एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इसके बनने के दो दिन के अंदर ही अहमदाबाद शहर में बलात्कार की दो घटनाएं हो चुकी हैं. शहर में अपराध रोकने के लिए गठित टास्क फोर्स में 13 अधिकारियों को शामिल किया गया है. यह टास्क फोर्स अपराध रोकने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करेगी. इसके लिए एक एप्लीकेशन भी बनाया गया है. जिसमें हर अपराधी का रिकॉर्ड रखा जाता है. इन तमाम इंतजामों के बावजूद यह तस्वीर सामने आ रही है कि अहमदाबाद में अपराधियों को पुलिस का कोई डर नहीं है.

भारतीय रेलवे ने नई लाइनों, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण के लिए बजट आवंटन में लगभग 6 गुना वृद्धि की

अहमदाबाद (ईएमएस) भारतीय रेलवे ने 2014-24 में 31,180 किलोमीटर नई लाइनें, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन का काम पूरा किया, जो 2009-14 की तुलना में दोगुनी से अधिक गति है रेलवे परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेलवे-वार किया जाता है, न कि राज्य/जिला-वार/क्षेत्रवार, क्योंकि रेलवे परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के पार हो सकती हैं।

01 अप्रैल 2024 तक, पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित भारतीय रेलवे में, लगभग 7.44 लाख करोड़ रुपये लागत वाली कुल 44,488 किलोमीटर लंबाई की 488 रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं (187 नई लाइन, 40 गेज परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से मार्च, 2024 तक 12,045 किलोमीटर लंबाई चालू हो गई है और लगभग 2.92 लाख करोड़ रुपये का व्यय हो चुका है।

वर्ष 2023-24 में भारतीय रेलवे में 5,309 किलोमीटर लंबे सेक्शन चालू किए जा चुके हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेलवे परियोजनाओं का क्षेत्रवार/वर्षवार विवरण भारतीय रेलवे की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान यानि वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2023-24 तक भारतीय रेलवे में लगभग 2.65 लाख करोड़ रुपये की लागत की कुल 23,352 किलोमीटर लंबाई की 297 परियोजनाएं (नई लाइन, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण) पूरी की गई हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेलवे के पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) क्षेत्र द्वारा कवर की जाती हैं। 01 अप्रैल 2024 तक, कुल 1,368 किमी लंबी और 74,972 करोड़ रुपये लागत वाली 18 परियोजनाएं (13 नई लाइनें और 5 दोहरीकरण), जो पूरी तरह/आंशिक रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में आती हैं, योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से मार्च 2024 तक 313 किमी लंबी परियोजनाएं चालू हो गई है और 40,549 करोड़ रुपये का व्यय हो चुका है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुल 110 किमी का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।

किसी भी रेलवे परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन मंजूरी, लागत साझाकरण परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत हिस्सेदारी का जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, इकाइयों का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से वैधानिक मंजूरी, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य महीनों की संख्या आदि विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

असम के दरांग जिले से गुजरने वाली अगथोरी-डेकारगांव (155 किलोमीटर) नई रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी गई है। यह जानकारी केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

अहमदाबाद मंडल पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सुधीर कुमार शर्मा की अध्याक्षता में 27 नवंबर 2024 को मंडल राजभाषा कार्यान्व यन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यपक्ष सुधीर कुमार शर्मा द्वारा अहमदाबाद मंडल की ई-पत्रिका राजभाषा आश्रम सौरभ के 49वें अंक का विमोचन किया गया। इस दौरान राजभाषा विभाग द्वारा साहित्ययकार 'हरिवंश राय बच्चनन जी' का जयंती समारोह मनाया गया और इससे संबंधित प्रश्नहमंच का आयोजन किया गया। प्रश्नशमंच में विजेता अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृयत किया गया। प्रत्येक तिमाही की भांति, इस अवसर पर, हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा मंडल की विशेष पुरस्कारर योजना राजभाषा रत्न के तहत पुरस्कृत किया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने राजभाषा विभाग को बैठक के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यृालय से पधारी उप महाप्रबंधक (राजभाषा), पश्चिम रेलवे डॉ. रोशनी खूबचंदानी से राजभाषा नियमों एवं नीतियों पर प्रकाश डाला एवं बैठक में उपस्थिभत रेलकर्मियों का राजभाषा विषयक ज्ञानवर्धन किया। बैठक के उपाध्याक्ष एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) लोकेश कुमार ने मंडल रेल प्रबंधक द्वारा ध्यापन में लाई गई विभिन्न मदों पर विशेष ध्याान देने व कार्रवाई करने हेतु जोर दिया। महोदय ने विभिन्नय विभागाध्योक्षों व अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले निरीक्षणों में राजभाषा पैरा डालने तथा राजभाषा प्रगति हेतु चेकलिस्टन बनाकर इसका पालन कराने की बात कही। बैठक के अंत में उपाध्यषक्ष ने धन्यजवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम में सहभागिता की।

पश्चिम रेलवे

मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग। विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008। ई-निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/215 दिनांक आमंत्रित करता है। 25.11.2024. कार्य और स्थान: 1) सूरत:- एडीईएन/सूरत अनुभाग के अंतर्गत कोचिंग डिपो के प्रशासनिक भवन की छोटी और बड़ी मरम्मत। 2) विरार-सूरत एडीईएन/सूरत अनुभाग के अंतर्गत सूरत में कोचिंग डिपो के बेसमेंट में सिक लाइन, भारी सामग्री भंडार के फर्श की मरम्मत कार्य की लगभग लागत: रु.2,21,77,364.95। ईएमडी: 260900/-. जमा करने की तिथि एवं समय: 20.12.2024,15:00 बजे तक। खुलने की तिथि और समय: 20.12.2024 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। मैन्युअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा. 0770

हमें लाइक करें facebook.com/westernRly

वेदांता रिसोर्सेज ने नए बॉन्ड जारी कर वैश्विक निवेशकों से जुटाए 80 करोड़ डॉलर

वेदांता रिसोर्सेज फाइनेंस छ पीएलसी (वीआरएफ) ने सिंगापुर एक्सचेंज को दी गई सूचना में कहा कि उसने नए बॉन्ड जारी करके 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। इस इश्यू में बॉन्ड की दो किस्तें शामिल हैं - एक में 2028 तक देय 10.25% बॉन्ड की कुल मूल राशि 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर है और दूसरी में 2031 तक देय 11.25% बॉन्ड की कुल मूल राशि 50करोड़ अमेरिकी डॉलर है।

फिच रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा बॉन्ड को ''बी-'' और एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स द्वारा ''सीसीसी+'' रेटिंग दी जा सकती है और इसे सिंगापुर एक्सचेंज सिक्योरिटीज ट्रेडिंग लिमिटेड (एसजीएक्स-एसटी) के इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। वीआरएफ नए बॉन्ड जारी करने से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग वेदांता के मौजूदा बॉन्ड का पूर्व भुगतान करने के लिए करेगा।

बॉन्ड इश्यू को 1.19 अरब अमेरिकी डॉलर के अंतिम संयुक्त ऑर्डर प्राप्त हुए, जो 1.5 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन दर्शाता है। ऐपैक(APAC), यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका (EMEA) और अमेरिका के मौजूदा और नए निवेशकों से बोलियाँ प्राप्त हुईं, जिसमें दोनों चरणों में एसेट/फंड मैनेजरों की 90% से अधिक भागीदारी थी।

लैटीज़ इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सितंबर 2024 की तिमाही के उत्कृष्ट परिणामों की घोषणा की

अहमदाबाद – लैटीज़ इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो एनएसई में सूचीबद्ध है और ऊर्जा-कुशल सबमर्सिबल पंपों के निर्माण में अग्रणी है, ने सितंबर 2024 में समाप्त तिमाही के शानदार वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी का राजस्व रु.1,575 लाख से बढ़कर रु.1,873.46 लाख हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 18.90% की वृद्धि को दर्शाता है। शुद्ध लाभ में 176.38% की जबरदस्त वृद्धि हुई है, जो रु.25.37 लाख से बढ़कर रु.70.12 लाख हो गया। पिछली तिमाही की तुलना में शुद्ध लाभ में 86.20% की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा, कंपनी की प्रति शेयर आय (ईपीएस) में भी तीन गुना बढ़ोतरी हुई है, जो रु.0.04 से बढ़कर रु.0.12 हो गई है।

लैटीज़ इंडस्ट्रीज सोलर वॉटर पंप क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है और वर्तमान में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश में इंस्टॉलेशन के लिए सूचीबद्ध और स्वीकृत है। भविष्य में और अधिक ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे कंपनी भारत की ग्रीन एनर्जी पहल में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। कंपनी अपने संचालन का विस्तार गैर-प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में भी कर रही है।

कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री कपूर चंद गर्ग, लैटीज़ इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमोटर, ने कहा: हम कंपनी के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और अपने ग्राहकों के हम पर विश्वास की सराहना करते हैं। हमारी प्रतिबद्धता उच्च गुणवत्ता और टिकाऊ समाधान प्रदान करने की है, और हमें विश्वास है कि हम साल-दर-साल और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।ठ

लैटीज़ इंडस्ट्रीज का स्थिरता और ऊर्जा दक्षता पर गहरा ध्यान इसे कृषि, औद्योगिक और घरेलू बाजारों में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एक मजबूत स्थिति में रखता है।

एलिस कौशिक ने अपने कलर्स के 'बिग बॉस 18' के सफर पर कहा: ''मैं मेरे परिवार - ईशा और अविनाश को वाकई याद करूंगी''

कलर्स के बिग बॉस 18 के प्रतियोगियों पर एविक्शन का खतरा निरंतर मंडराता रहता है! इस हफ्ते के वीकेंड का वार में एलिस कौशिक के अप्रत्याशित एलिमिनेशन से हर कोई हैरान रह गया। उनके बाहर निकलने से चर्चाओं का बाज़ार गर्म कर दिया है, और यह उजागर होता है कि बिग बॉस के घर में ज़िंदगी कितनी अप्रत्याशित हो सकती है। एलिस ने अपने सफर की शुरुआत बड़ी तेज़ी से की थी, और बिग बॉस ने अनुमान लगाया था कि वह सीज़न के टॉप 2 प्रतियोगियों में से एक होगी। अपनी मधुरता, भावनात्मक गहराई, और निर्भीक होकर अपने विचारों को व्यक्त करने की आदत के कारण, ऐसा लग रहा था कि वह फिनाले के लिए तैयार हैं। हालांकि, उनके समर्पित फैन बेस और मजबूत गठबंधनों के बावजूद, इस सप्ताह वोट उनके पक्ष में नहीं गए। उनका अंदाज़ा सटीक साबित हुआ, जिसकी परिणति उनके घर से अप्रत्याशित निष्कासन के रूप में हुई।

सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 27 नवंबर, 2024: सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024 को खुलेगा। एंकर निवेशक बोली लगाने की तिथि गुरुवार, 28 नवंबर, 2024 है। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तिथि मंगलवार, 3 दिसंबर, 2024 है।

प्रस्ताव का प्राइसबैंड रु. 420 प्रति इक्विटी शेयर से रु. 441 प्रतिइक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 34 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 34 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियाँ लगाई जा सकती हैं।

आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 19,189,330 इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए एक प्रस्ताव है, जिसमें डॉ. सोमनाथ चटर्जी द्वारा

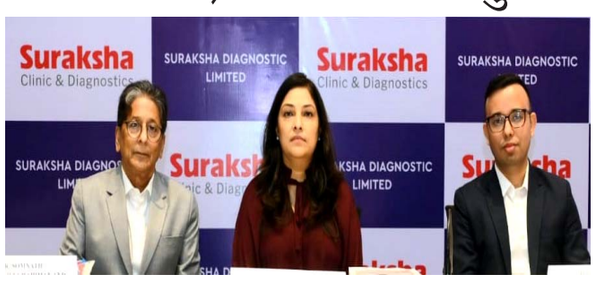

2,132,148 इक्विटीशेयर, रितु मित्तल द्वारा 2,132,148 इक्विटी शेयर, सतीशकुमार वर्मा द्वारा 2,132,148 इक्विटीशेयर, ऑर्बिमेडएशिया छ मॉरीशस लिमिटेडद्वारा 10,660,737 इक्विटीशेयर, मुन्नालाल केजरीवाल द्वारा 799,556 इक्विटी शेयर और संतोषकुमार केजरीवाल द्वारा 1,332,593 इक्विटी शेयर शामिल हैं।

कंपनीके इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, नुवामावेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड इस ऑफर के बुकरनिंगलीड